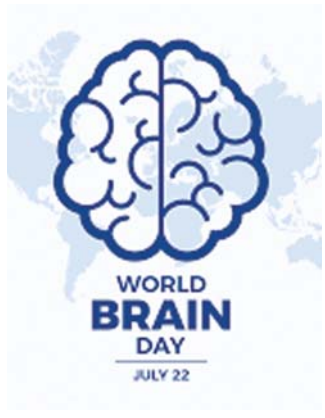

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 07/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 22 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

यह तो मुझे भी नहीं पता था कि मुझे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कि जिम्मेदारी दी जाएगी

भोपाल। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने आज अखबार के पत्रकार साथियों के साथ कई विषयों पर अनौपचारिक चर्चा की। इस चर्चा में उन्होंने उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बारे में बताया। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि यह तो मुझे भी नहीं पता था कि उन्हें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कि जिम्मेदारी दी जाएगी। अमूमन राजनीतिक संगठनों में जो नाम 6-7 महीने से उछाले जा रहे होते हैं उनमें से किसी का उस पद पर नियुक्त होना काफी मुश्किल होता है। और वो नाम मिटा दिया जाता है। परंतु उनका नाम जनवरी से चल रहा था और अंततः उन्हीं की नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में हुई इससे वे अभिभूत थे।

संभवतः एक सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के हेमंत खंडेलवाल को संगठन का मुखिया बनाने का एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है। उनका कहना है कि वो अपने निजी जीवन में बहुत ही नियम और कायदे कानून को पसंद करते हैं। वे एक जमीनी स्तर के कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं तथा वेवजह चर्चाओं से दूर रहते हैं। यह भी हेमंत खंडेलवाल की विशेषताओं में से एक है। चर्चा होते-होते उनपर कई प्रश्नों की बौछार की गई और वो मुस्कुराते हुए सहजता से जवाब देते रहे और पत्रकार साथियों को इस बात के लिए प्रेरित करते रहे कि उन्हें पत्रकार साथियों से सरकार, संगठन, समाज एवं पार्टी तथा कार्यकर्ताओं को कैसे और उपयुक्त बनाया जा सकता है के लिए सुझाव एवं साथ की आवश्यकता है। भाजपा के कार्यकर्ताओं की उपयोगिता को और अधिक सजीव करने की इच्छा उनके मन में स्पष्ट दिख रही थी।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि वैसे तो भारतीय जनता पार्टी के पास कार्यकर्ताओं की बहुतायत है, फिर भी नई सदस्यता के लिए जो आना चाहे उनका स्वागत है। परंतु कोई सदस्यता अभियान चलाने की उनकी मंशा नहीं है। उनका कहना है कि पूर्व अध्यक्ष वीडी शर्मा ने लाखों लाख सदस्य, सदस्यता अभियान के दौरान बनाए हैं और अभी हमारे बांध में सदस्यों रूपी जल छलकने लगा है। हमारे बांध में यदि हम और अधिक जल डालेंगे तो स्वाभिक रूप से बांध को संभालना मुश्किल हो सकता है।

एक मंजे हुए आरएसएस एवं भाजपा के कार्यकर्ता से अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल ने कांग्रेस के बड़े नेताओं को जरूर आमंत्रित कर दिया कि अगर वो आना चाहें तो उनपर पार्टी विचार कर सकती है। पत्रकारों ने उनकी प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पर बधाई और अपने कार्यकाल में बेहतर काम करने के लिए शुभाकमनाएं दी।

- भरत पटेल

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल से भेंट कर दी शुभकामनाएं

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज भोपाल में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने खंडेलवाल को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर अभिनंदन

किया तथा उन्हें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में नवीन संगठनात्मक दायित्व ग्रहण करने पर शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री खंडेलवाल के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की जनसेवा की परंपरा को और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक कौशल ही उसकी जड़ें जनमानस में मजबूत करता है और श्री खंडेलवाल का अनुभव निश्चित ही संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

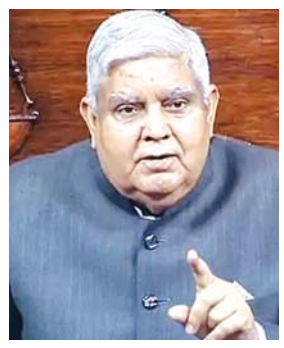

आदिम जाति कल्याण विभाग के डिप्टी कमिश्नर जगदीश सर्वटे के जबलपुर और भोपाल स्थित ठिकानों पर छापा

भोपाल। आदिम जाति कल्याण विभाग के डिप्टी कमिश्नर जगदीश सर्वटे के जबलपुर और भोपाल के घरों पर मंगलवार (22 जुलाई) सुबह-सुबह आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने एक साथ दबिश दी। आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर यह बड़ी कार्रवाई की गई है। जबलपुर स्थित शंकर शाह नगर के शासकीय आवास, अधारताल स्थित निजी घर के साथ-साथ भोपाल में भी EOW की टीम ने छापा मारा है।

सर्वटे के सरकारी और निजी घर की तलाशी- जबलपुर में सर्वटे के शंकर शाह नगर स्थित शासकीय आवास और अधारताल इलाके के निजी मकान की सघन तलाशी ली गई। कार्रवाई के दौरान टीम ने बैंक खातों की जानकारी, नगद राशि, जेवरात और अन्य दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। प्राथमिक तौर पर दस्तावेजों की जांच जारी है। इस रेड के पूरा होने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

भोपाल के मकान पर भी छापा- EOW की टीम ने डिप्टी कमिश्नर सर्वटे के भोपाल स्थित आवास पर भी एक साथ दबिश दी है। बताया जा रहा है कि वहां से भी कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ जब्त की गई हैं। ये सभी दस्तावेज आय के स्रोत और संपत्ति के लेन-देन से जुड़े हो सकते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में शामिल नहीं होंगे, विपक्ष बोला- वजह स्वास्थ्य नहीं कुछ और है

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रोपद्री मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए।

सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरुआत जेडीयू सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर आई थी कि जगदीप इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक का था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की 2 थ्योरी पहली- धनखड़ की अध्यक्षता में समिति के सदस्य दोबारा बैठक के लिए इकट्ठा हुए। सभी नड्डा और रिजिजू का इंतज़ार करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। सबसे हैरानी की बात यह थी कि धनखड़ जी को व्यक्तिगत रूप से यह नहीं बताया गया कि दोनों मंत्री बैठक में नहीं आएंगे। स्वाभाविक रूप से उन्हें इस बात का बुरा लगा और उन्होंने क्रष्ट की अगली बैठक आज दोपहर 1 बजे के लिए टाल दी। इससे साफ है कि कल दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 4-30 बजे के बीच जरूर कुछ गंभीर बात हुई है, जिसकी वजह से जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू ने जानबूझकर शाम की बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर बोले पीएम मोदी, उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार रात को अचानक ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दिन में राज्यसभा की चेयर संभाली और कई मीटिंगों में भी हिस्सा लिया। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर किसी को अंदाजा तक नहीं था कि वह अचानक ही

ऐसा कोई फैसला ले लेंगे। वह बिना किसी अपॉइंटमेंट के राष्ट्पति भवन पहुंचे और अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस बीच कांग्रेस ने दावा किया है कि सोमवार दोपहर को कोई बड़ा घटनाक्रम हुआ था। शायद इसी के चलते उपराष्टपति ने ऐसा फैसला लिया है। पार्टी का कहना है कि सरकार उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए मनाए।

रविकिशन बोले- स्वास्थ्य खराब है, इस पर राजनीति करना ठीक नहीं- भाजपा नेता रविकिशन ने कहा कि कितने लोग ऐसे हैं, जिन्होंने सुबह को बात की और शाम को उनकी मौत हो गई। उनका स्वास्थ्य खराब है और रेस्ट के लिए उपराष्टपति ने इस्तीफा दिया है। रविकिशन ने कहा कि किसी के स्वास्थ्य पर भी राजनीति करना ठीक नहीं है।

पीएम नरेंद्र मोदी की इस्तीफे पर प्रतिक्रिया- पीएम नरेंद्र मोदी ने जगदीप धनखड़ के उपराष्टपति पद से इस्तीफा देने पर प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने लिखा, 'जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्टपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'

संसदः मानसून सत्र का दूसरा दिन

बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों का संसद में प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विपक्ष ने लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा किया। विपक्षी सांसदों की मांग है कि पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर सदन में चर्चा हो। इन पर जवाब दें। लोकसभा-राज्यसभा 2 बजे तक स्थगित है।

वहीं, बिहार वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के बाहर नारेबाजी की। प्रदर्शन में विपक्ष के नेता

राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई सांसद शामिल हुए। दूसरे दिन की कार्यवाही से पहले संसद भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा समेत अन्य मंत्री भी शामिल हुए। वहीं, गठबंधन के नेताओं ने भी मीटिंग की। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक यानी कुल 32 दिन चलेगा। इस दौरान 18 बैठकें होंगी।

स्पेन-दुबई से लौटने के बाद सीएम ने की कैबिनेट बैठक

एमपी बनेगा विश्वसनीय डेटा सेंटर का हब, अनुपूरक बजट पर हुई चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में कैबिनेट बैठक हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 13 से 19 जुलाई तक हुई अपनी दुबई- स्पेन निवेश यात्रा की जानकारी मंत्रियों को दी। कैबिनेट में मानसून सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले अनुपूरक बजट और वित्त विधेयकों पर भी चर्चा हुई है लेकिन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से चर्चा के दौरान इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने विदेश दौरे के दौरान डेटा सेंटर्स का निरीक्षण किया है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश में विश्वसनीय डेटा सेंटर्स विकसित करने की योजना पर विचार हुआ है। डेटा एक्सचेंज और विकास से जुड़े इस सिस्टम में शोधकर्ता और नीति-निर्माता भी शामिल होंगे। यह प्रयास एमपी को एक डेटा-सक्षम और सुरक्षित राज्य के रूप में पहचान दिलाएगा।

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट में एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा गांधी सागर जल विद्युत गृह के अपग्रेडेशन को मंजूरी दी गई है। यहां राणा प्रताप राजस्थान द्वारा 75 मेगावाट का प्लांट भी संचालित किया जा रहा है।

बिजली दरों की चिंता तो सोलर एनर्जी अपनाएं

अगर किसी को बिजली की दरों को लेकर चिंता है, तो वह सोलर एनर्जी की ओर रुख करे। सोलर से न केवल खुद के लिए सस्ती बिजली मिल सकती है, बल्कि इसे बेचकर आमदनी भी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सोलर सूर्यघर योजना के तहत आमजन को सस्ती सौर ऊर्जा की सुविधा दी है। इसका लाभ उठाया जा सकता है। मंत्री विजयवर्गीय ने यह बात एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कही, जिसमें पूछा गया था कि क्या मेट्रो किराए में बदलाव को लेकर कोई निर्णय लिया गया है? विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में आयोजित होने वाले व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर को 50 त्र की छूट दी गई है।

कैबिनेट में इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा

पचमढ़ी को बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया है। राज्य सरकार जैव विविधता, टाइगर रिजर्व और पर्यावरणीय पर्यटन को लेकर गंभीर है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इन क्षेत्रों का समुचित विकास किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने खाद वितरण को लेकर चिंता जताई। उन्होंने सभी मंत्रियों से कहा कि वे अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में खाद की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बोनी का काम शुरू हो गया है, ऐसे में किसानों को समय पर खाद मिलना चाहिए। साथ ही, नकली खाद पर सख्ती से रोक लगाई जाए। महाकाल की सवारी इस बार लोक नृत्य थीम पर आधारित रही, जिसमें गुजरात के आदिवासी नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी गई। लाखों श्रद्धालु पहुंचे। इतनी भीड़ को नियंत्रित करने का कार्य प्रशासनिक टीम ने बखूबी किया।

विदेश यात्रा पर निवेश प्रस्ताव की दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने बैठक से पहले बताया कि इस यात्रा के दौरान कुल 11,119 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 14,500 नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश के नक्शे पर एक नई पहचान दिलाने वाली रही और यूरोप तथा खाड़ी देशों में यह संदेश गया है कि मध्य प्रदेश निवेश के लिए मित्रवत राज्य है।

मानव संग्रहालय में रोपे गए 4 हजार पौधे

हमसे जहां कहीं गलतियां हुईं, वहां दोबारा पौधरोपण की जरूरतः सीएम

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में सीएम डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में 4 हजार पौधे रोपे गए। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडे, सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, विधायक भगवानदास सबनानी, मेयर मालती राय और भोजपाल मित्र संस्था के कार्यकर्ता मौजूद थे। सीएम ने कहा- आज यहां चार हजार पौधे रोपे जा रहे हैं। भोपाल नगर में मिलाकर 5100 पौधे लगाने का संकल्प है। हम सब जानते हैं कि इस पृथ्वी का जीवन वृक्ष और बाकी जनजीवन से जुड़ा हुआ है। कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन का परस्पर एक दूसरे पर अवलंबन ये हमारे लिए जीवन प्रदान करता है। खासकर मप्र तो और भाग्यशाली है। पूरे देश के बाकी राज्यों की तुलना में यदि सर्वाधिक वन संपदा कहीं हैं तो मप्र में हैं। सीएम ने कहा- ये संग्रहालय का पूरा इलाका आज से चार महीने पहले ही प्रधानमंत्री जी ने अपनी उपस्थिति से हमारे जनजीवन के साथ मप्र को समृद्ध बनाने का संकल्प कराया। एक तरफ हम आर्थिक समृद्धि की तरफ जाना चाह रहे हैं। दूसरे तरफ वन संपदा में भी समृद्धि आना चाहिए।

पौधरोपण से रक्षाबंधन जैसा संबंध

एक दूसरे से जुड़कर ही जीवन बनता है। हमारी सनातन संस्कृति में प्रारंभ से पौधरोपण के साथ ऐसा संबंध है जैसे कि हमारे यहां रक्षाबंधन होता है तो अपने घर-आंगन में बने गमले से लेकर पेड़ पौधों को राखी बांधकर बहनें अपने भाव को प्रकट करती हैं।

सीएम ने रोपा बेलपत्र का पौधा

सीएम ने मानव संग्रहालय में बेलपत्र का पौधा रोपा। पौधरोपण के बाद सीएम ने मीडिया से चर्चा में कहा, पूरे प्रदेश में बृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा- अकेले पौधा रोपें नहीं, बल्कि बड़ा होने तक उसकी देखभाल भी करें।

लेह में शहीद एमपी के हरिओम को गार्ड ऑफ ऑनर

राजगढ़ में बेटे की पार्थिव देह को देख बेसुध हुए पिता, अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल

सारंगपुर। लद्दाख के लेह में हिमस्खलन की चपेट में आने से शहीद हुए मध्यप्रदेश के राजगढ़ के अग्निवीर हरिओम नागर (22) का अंतिम संस्कार मंगलवार को पैतृक गांव टूटियाहेड़ी में होगा। शहीद को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। शहीद बेटे की पार्थिव देह को देख पिता दुर्गा प्रसाद नागर बेसुध हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें सहारा देकर बिठाया। वे रोते बिलखते रहे।

सुबह करीब 9-30 बजे सेना के वाहन से बोड़ा नाका पर पार्थिव शरीर लाया गया था। 21 किलोमीटर लंबी अंतिम यात्रा शुरू हुई। राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ यात्रा चली। 6 किलोमीटर लंबे काफिले में स्कूली बच्चों समेत हजारों लोग शामिल हुए। 4 हजार से ज्यादा गाड़ियां चलीं, इनमें करीब 3 हजार बाइक और एक हजार चार पहिया वाहन थे। यात्रा में सांसद रोडमल नागर और राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, नगर परिषद अध्यक्ष विकास करोड़िया सहित प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

रविवार को ड्यूटी के दौरान एक बड़े पहाड़ के टूटकर गिरने से अग्निवीर हरिओम नागर की मौके पर ही जान चली गई थी। शहीद की पार्थिव देह सोमवार को फ्लाइट से भोपाल लाई गई, जहां से सेना के वाहन से सोमवार रात को ही पचोर लाया गया। शहीद बेटे की पार्थिव देह को श्मशान लाने के बाद पिता दुर्गा प्रसाद नागर बेसुध हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें सहारा देकर बिठाया। वे रोते बिलखते रहे।

शहीद को इन्होंने भी दी पुष्पांजलि- सेना के गार्ड ऑफ ऑनर के बाद बाद राज्य मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद रोडमल नागर, जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, विधायक अमर सिंह यादव, कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा और एसपी अमित कुमार तोलानी ने पुष्पांजलि अर्पित की।

सबसे पहले सेना ने दी पुष्पांजलि- शहीद के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान को फूलों से सजाया गया है। यहां पर आर्मी के अधिकारियों ने सबसे पहले हरिओम नागर को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने चार सफेद पुष्पचक्र अर्पित किए।

शहीद को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

अंतिम संस्कार से पहले शहीद हरिओम नागर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

अंत्येष्टि के लिए लाया गया शहीद का शव

शहीद हरिओम नागर का शव अंत्येष्टि स्थल तक लाया गया है। यहां हजारों की संख्या में लोग अंतिम विदाई देने के लिए पहुंचे हैं। वहीं आर्मी की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर देने की तैयारी कर ली गई है।

सैन्य सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

गांव के श्मशान में शहीद के अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां सैन्य सम्मान के साथ जवान हरिओम का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

शहीद के पैतृक गांव पहुंची अंतिम यात्रा

शहीद हरिओम नागर की अंतिम यात्रा उनके पैतृक गांव टूटियाहेड़ी पहुंच गई है। यहां शहीद के लिए अर्थी सजाई जा रही है। शहीद के घर के सामने पूरा गांव उमड़ पड़ा है।

शहीद के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल- शहीद के घर में माहौल गमगीन है। रिश्तेदार और गांव की महिलाएं यहां पहुंची है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार उन्हें संभाल रहे हैं।

शिव तत्व विचार

भगवान महादेव जैसा परमार्थी और वैरागी कोई दूसरा देव नहीं है। भगवान शिव की करुणा तो देखिए, एक भक्त की पुकार पर माँ गंगा के अति तीव्र वेग को भी सहर्ष अपने मस्तक पर सह लेते हैं। गंगा को जटाओं में धारण करते हैं पर बाद में लोक कल्याण की भावना से मुक्त भी कर देते हैं। दुनिया का नियम यह है, कि यहाँ पर प्रत्येक आदमी दूसरों से पाना तो बहुत कुछ चाहता है, लेकिन बाँटना नहीं चाहता। लोक कल्याण एवं लोक मंगल के लिए बाँटना हम सबको भगवान शिव के जीवन से सीखना चाहिए। भगवान शिव किसी से लेते भी हैं तो और अधिक देने के लिए लेते हैं। चाहे हमारी कितनी ही प्यारी वस्तु क्यों न हो लेकिन आवश्यकता पड़ने पर जैसे भगवान शिव ने माँ गंगा को मुक्त किया ऐसे ही दूसरों के कल्याण की भावना से हमें भी उस वस्तु का परित्याग करना ही चाहिए। लोक मंगल के लिए किया गया प्रत्येक कार्य शिव पूजन ही तो है।

न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति की बैठक हुई, कल होगा नई कार्यकारिणी का शपथ

न्यू मार्केट के सौंदयीकरण और विकास कार्यों को लेकर पदाधिकारियों ने की चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति की बैठक संपन्न हुई । इस बैठक में सभी निर्वाचित पदाधिकारीकरण एवं सभी मनोनीत सलाहकार एवं मनोनीत कार्यकारिणी के सभी सदस्यगण मीटिंग में उपस्थित रहे। इस मीटिंग में न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के तत्वाधान में न्यू मार्केट की विभिन्न समस्याओं को कैसे शासन प्रशासन के सहयोग से सुलझाया जाएगा इसका रोड मैप तैयार किया गया। न्यू मार्केट के सौंदयीकरण एवं न्यू मार्केट में विकास कार्यों को कैसे शासन प्रशासन के सहयोग से करवाया जाएगा इस विषय में भी चर्चा हुई। मीटिंग का मुख्य विषय नवनिर्वाचित एवं मनोनीत कार्यकारिणी के पदभार ग्रहण एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम को लेकर था। इस विषय में चर्चा उपरांत 23 जुलाई की शाम 4 बजे पदभार ग्रहण एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया ।

न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के मुख्य संरक्षक क्षेत्रीय विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी है एवं उन्हीं के मुख्य आतिथ्य में उक्त कार्यक्रम संपन्न होगा। भोपाल शहर के सर्वप्रमुख बाजार न्यू मार्केट की समिति के पदभार एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम में संपूर्ण भोपाल के सभी व्यापारी संगठनों के प्रमुख एवं समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। न्यू मार्केट के सभी सम्माननीय व्यापारियों को आमंत्रण पत्र देकर कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। न्यू मार्केट की सर्व प्रमुख व्यापारी समिति होने के नाते इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों के उपस्थित होने की संभावना है।

पूज्य सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एक्सटेंशन बावड़ियां कलां में महिला प्रतिनिधि की नियुक्ति

भोपाल। पूज्य सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एक्सटेंशन बावड़ियां कलां भोपाल द्वारा पंचायत में प्रतिष्ठित महिला प्रतिनिधी पद पर मातृशक्ति की नियुक्ति की गई थी। महिला प्रतिनिधी की नियुक्ति पर उनके लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था उसमें महिला प्रतिनिधी चंद्रा मोटवानी श्रीमती जाह्नवी किशनानी, प्रिया मूलचंदानी, प्रिशा जेठानी, सुशीला किशनानी, शोभा आहूजा की पंचायत में प्रतिष्ठित महिला प्रतिनिधि पद पर नियुक्ति करने पर उनका श्री झूलेलाल मंदिर बावड़ियां कलां भोपाल में सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में पूज्य सिन्धी पंचायत बावड़ियां कलां भोपाल के अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी, महासचिव देवानंद जेठानी,मुख्य सलाहकार डी एम मोटवानी, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार नरियानी सह कोषाध्यक्ष निक्की मूलचंदानी संरक्षक राजेन्द्र कुमार हेमनानी ने पंचायत में नियुक्ति होने पर मातृशक्ति का बधाई के साथ आत्म - सत्कार किया।

गायक मुकेश की जयंती आज

भोपाल। कायस्थम मध्य प्रदेश ने 22 जुलाई को प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री मुकेश चंद्र माथुर की 102 वीं जयंती पर पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। कायस्थम ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से कायस्थ समाज के गौरव पार्श्व गायक मुकेश चंद्र माथुर की स्मृति में मध्य प्रदेश में गीत एवं संगीत कला अकादमी स्थापित करने की मांग की है। कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रसिद्ध पार्श्व गायक मुकेश के भारतीय फिल्मों में गाए हुए गाने आज भी विश्व स्तर पर बेहद लोकप्रिय है। मुकेश ने न सिर्फ भारतीय फिल्म जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई बल्कि भारत की गौरवशाली छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर भी पर स्थापित की है। वह एक प्रतिभाशाली गायक थे। उनकी आवाज आज भी हर वर्ग में रुचि से सुनी जाती है। यदि मध्य प्रदेश सरकार भोपाल अथवा अन्य किसी भी शहर में मुकेश गीत - संगीत कला अकादमी स्थापित करती है तो उससे गायन के क्षेत्र में उभरते हुए कलाकारों को प्रेरणा मिलेगी। अभी संगीत एवं अन्य कलाओं के लिए विभिन्न अकादमी स्थापित है ,लेकिन गायन के लिए अकादमी स्थापित नहीं है । जबकि आज मध्य प्रदेश के सभी शहरों में गायन के अत्यधिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं ,जिसमें सभी वर्ग के नागरिक बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं । कराईको के आने के बाद गायन के कार्यक्रमों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

बाबा बर्फानी की बर्फ से प्रतिमा बनाई, भजन संध्या का हुआ आयोजन

भोपाल। 16 वी अमरनाथ यात्रा के सफल संचालन पर विशाल भजन संध्या एवं बाबा बर्फानी की प्रतिमा बनाई श्री बाबा अमरनाथ धर्माथ सेवा समिति द्वारा भोले चौराहा बागसेवनियाँ थाने के पास, नर्मदापुरम रोड, भोपाल यह जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रामविलास टाले गुजर ने बताया कि हमारी 16वीं यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई इसी उपलक्ष्य में यह आयोजन संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने सम्मिलित होकर बाबा के दर्शन किए एवं जमकर झूमे इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद वार्ड 54 के जितेन्द्र शुक्ला ने बाबा की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद लिया एवं तीन सेट लगवाने की घोषणा की इस अवसर पर संरक्षक एवं मार्गदर्शक- श्रीमति कृष्णा गौर (राज्य मंत्री, विधायक गोविन्दपुरा विधानसभा, कमल पटेल (पूर्व कृषि मंत्री , रामविलास टाले गुर्जर प्रदेश अध्यक्ष, समिति के राजेश लाठी पटेल प्रदेश उपाध्यक्ष ,शैलेन्द्र आंजने गुर्जर प्रदेश सचिव, राजकुमार सैनी, दिनेश शिन्दे, संदीप पटेल प्रभारी ,भारत सिंह प्रदेश कोषाध्यक्ष ,मंगलेश फुलरे, राजकुमार गुर्जर, जे. पी विश्वकर्मा नागेश, मुकेश, गोलू, दीपक, लछछू, लक्ष्मी नारायण साहू, संदीप चौधरी आदि।

अयोध्या बायपास पंचमुखी हनुमान मंदिर में चल रही कथा

भोपाल। अयोध्या बायपास स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में सोमवार की कथा में यह बात कही भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग की कथा भगवान शिव और कुंभकर्ण के पुत्र भीम के बीच युद्ध से जुड़ी है आचार्य केशव शास्त्री के मुखारविंद से शिव पुराण की कथा सुनाई। पौराणिक कथा के अनुसार, कुंभकर्ण की मृत्यु के बाद, उसकी पत्नी कर्कटी ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम भीम रखा गया। भीम ने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए ब्रह्मा जी की तपस्या की और उनसे अजेय होने का वरदान प्राप्त किया। फिर, उसने राजा कामरूपेश्वर को बंदी बना लिया, जो भगवान शिव के भक्त थे। राजा ने कारागार में भी शिवलिंग बनाकर शिव की पूजा जारी रखी। क्रोधित होकर भीम ने शिवलिंग को तोड़ने का प्रयास किया, जिसके परिणामस्वरूप भगवान शिव प्रकट हुए और भीम का वध किया। देवताओं ने शिव से उस स्थान पर ज्योतिर्लिंग के रूप में रहने का अनुरोध किया, और इस प्रकार भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग की स्थापना हुई।

मानसरोवर के आयुर्वेदिक महाविद्यालयों ने निकाली संहिता सम्मान यात्रा

भोपाल । मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में चरक जयंती महोत्सव का आगाज़ सोमवार को हुआ। सप्ताह भर जारी रहने वाले इस महोत्सव की शुरूआत मानसरोवर आयुर्वेद कैम्पस, कोलार रोड से संहिता सम्मान यात्रा निकलकर की गई। जिसमें अश्विनी वन औषधि उद्यान से तीनों कॉलेजों के सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर संहिता यात्रा निकालकते हुए चरक संहिता की वर्तमान उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। सप्ताह भर जारी रहने वाले इस कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताएं, व्याख्यान आदि आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के प्रो. चांसलर डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय, आयुर्वेद निदेशक वैद्य बाबुल ताम्रकार एवं सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की उपस्थिति में किया गया। जिसके बाद मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य वैद्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। वहीं सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह में आयोजित होने वाली गतिविधियों का विवरण श्री साई इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन के प्राचार्य डॉ. भारत चैरागढ़े द्वारा प्रस्तुत किया गया। मानसरोवर समूह की कुलाधिपति मंजुला तिवारी और प्रतिकुलाधिपति इंजी. गौरव तिवारी ने

कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के प्रथम दिवस तीनों आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के सौ से अधिक षिक्षकगण सहित हजार से अधिक की संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में तीनों महाविद्यालयों के संहिता विभाग से वैद्य नम्रता चैरागढ़े, वैद्य विजय पाठा, वैद्य कृष्णा तिवारी, वैद्य गौतम नागराज, वैद्य स्वाति व्यास, वैद्य प्रीति तिवारी, आचार्य दिनेश शर्मा और वैद्य मीनाक्षी चैहान, वैद्य अपर्णा शरणागत, वैद्य तृप्ति निगम सहित पीजी स्कॉलर्स एवं इंटर्न छात्र छात्राओं की अहम भूमिका रही।

क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया

भोपाल। क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल में नषा मुक्ति जागरूकता षिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देष्य विद्यार्थियों और समाज को नषे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना था। विद्यालय के छात्रों ने पोस्टर, नाटक और भाषण के माध्यम से नषे के दुष्परिणामों को उजागर किया, तत्पष्चात स्कूल प्रांगण में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उपनिरीक्षक श्रीमान कमल सिंह रहे। उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा नषा एक सामाजिक बुराई है जिसे हम सबको मिलकर समाप्त करना है। विद्यालय के सचांलक महोदय श्रीमान डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने का विद्यालय में भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाऐंगे जो समाज में जागरूकता लाते हैं स्कूल के प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन एक सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत करते हैं। इस कार्यक्रम में स्कूल की उप-प्राचार्या और समन्वयक महोदया भी उपस्थित रहीं।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का भारतीय सेना के साथ मिलकर प्रशिक्षण शुरू

भोपाल। केओसुब के भेल भोपाल के वरिष्ठ कमांडेंट श्री शिवरतन सिंह मीणा ने बाताया कि सीआईएसएफ का बैटल रेडी भारतीय सेना के साथ गहन प्रशिक्षण शुरू किया गया। बदलते सुरक्षा खतरों के बीच अपनी तैयारियों को मज़बूत करने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने भारतीय सेना के साथ मिलकर गहन संयुक्त प्रशिक्षण शुरू किया है। यह कदम CISF को असामान्य और आधुनिक खतरों से निपटने के लिए बैटल रेडी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। CISF के लिए बैटल रेडी का मतलब है कि उसके जवान देश के अहम और संवेदनशील ठिकानों जैसे हवाई अड्डे, परमाणु संयंत्र, सरकारी इमारतें और संसद में किसी भी आपात स्थिति में तेज़ और असरदार प्रतिक्रिया दे सकें। इसमें ड्रोन हमला, आतंकी हमला, अंदरूनी खतरा और तोड़फोड़ जैसी घटनाओं से सटीक ढंग से निपटना शामिल है। पहली बार ष्टढ्ढस्स्न के पूरे बैच को कश्मीर घाटी में सेना की विशेष यूनिट्स से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले सिर्फ कुछ ही ष्टढ्ढस्स्न जवानों को सेना में प्रशिक्षण का अवसर मिलता था। अब ष्टढ्ढस्स्न और सेना के बीच बेहतर तालमेल और राष्ट्रीय हित को देखते हुए बड़ी संख्या में जवानों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, क्रायोस्टैट मशीन शुरू

भोपाल। अत्याधुनिक क्रायोस्टैट मशीन अब बीएमएचआरसी में भी उपलब्ध है। यह मशीन सर्जन को ऑपरेशन के दौरान बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगी। इसकी खासियत यह है कि रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाती है, जबकि पारंपरिक बायोप्सी में रिपोर्ट आने में कई घंटे या दिन लगते हैं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की सर्जरी के दौरान तत्काल निर्णय लेने में सहायक अत्याधुनिक क्रायोस्टैट मशीन अब भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में भी उपलब्ध है। यह मशीन सर्जन को ऑपरेशन के दौरान बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगी। इसकी खासियत यह है कि रिपोर्ट कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाती है, जबकि पारंपरिक बायोप्सी में रिपोर्ट आने में कई घंटे या दिन लगते हैं। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने इस मशीन का लोकार्पण किया। बीएमएचआरसी की पैथोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ हनी गुलवानी ने बताया कि यह मशीन सर्जरी के दौरान निकाले गए ऊतक (टिशु) को तुरंत ठंडा कर उसकी सूक्ष्म स्लाइड तैयार करती है, जिसे पैथोलॉजिस्ट माइक्रोस्कोप से तुरंत जांच सकते हैं।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के कैडेट्स का कैटेक्स-9 एनसीसी शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन

ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया

भोपाल। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, संत हिरदाराम नगर के एनसीसी कैडेट्स ने दिनांक 10 जुलाई से 19 जुलाई 2025 तक वैष्णवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, भोजपुर रोड, बंगरसिया चौराहा, भोपाल में आयोजित कैटेक्स-9 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट अनुशासन, खेल-कौशल, सांस्कृतिक प्रतिभा एवं आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन करते हुए 'ओवरऑल चैंपियनशिप' का खिताब अर्जित किया। इस शिविर में प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से लगभग 650 कैडेट्स ने भाग लिया, जिनमें मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के प्रतिभागियों ने फुटबॉल, ड्रिल, नृत्य, संगीत, एंकरिंग, स्विमिंग, वॉलीबॉल, रस्साकशी, चित्रकला, फायरिंग आदि प्रतिस्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए लगभग 30 पुरस्कार अपने नाम किए।

विद्यालय के कैडेट यश प्रकाश श्रीवास्तव को 'बेस्ट कैडेट अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जो पूरे विद्यालय समुदाय के लिए गर्व का विषय है। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, ÷एनसीसी केवल प्रशिक्षण नहीं, अपितु यह चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास और राष्ट्र-निर्माण का प्रभावी मंच है। हमारे छात्रों ने अनुशासन और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय के प्राचार्य श्री अजय बहादुर सिंह ने कहा, ÷हमारे छात्रों की लगन और समर्पण ही इस सफलता की नींव है। विद्यालय को गर्व है कि उसके विद्यार्थी संस्था का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। उप-प्राचार्या श्रीमती रेखा केवलानी ने कहा कि, ÷एनसीसी प्रशिक्षण न केवल छात्रों में नेतृत्व कौशल विकसित करता है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक रूप से अनुशासन, सेवा और समर्पण का पाठ भी पढ़ाता है। इस शिविर में भाग लेने वाले प्रमुख कैडेट्स में कृष्ण कुमार, सौभाग्य गंगारामानी, हितेश टिलवानी, पीयूष मूलानी, देव मोटवानी, तन्मय सोनकर, जतिन सीतलानी, मयंक बच्चानी, आरव पुरोहित, जोशुआ विंसी, गर्व सिंह, सहित कुल 30 कैडेट्स सम्मिलित रहे।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम कार्ड का भगवानदास सबनानी ने किया विमोचन

संत हिरदाराम नगर। हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला में सर्व ब्राहमण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति द्वारा सात दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन को लेकर भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कार्ड का विमोचन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष मनोज वर्मा, पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। मनोज वर्मा और रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी श्रावण मास के अवसर पर सप्त दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सात दिन की यात्रा का समापन 3 अगस्त को किया जाएगा। इस दिन सुबह 10 बजे से शिवलिंग निर्माण दोपहर 2 बजे से पूजन, 5 बजे से 9 बजे तक भोजन प्रसादी होगा। इस अवसर पर आसपास से बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहेंगे।

श्रावण माह का सोमवार उज्जैन में पालकी में भगवान नगर भ्रमण पर निकले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव डमरु और झांझ मंजीरे बजाते चले पैदल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को भगवान महाकाल की श्रावण माह की दूसरी सवारी में शामिल हुए। भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री चन्द्रमोलेश्वर के रूप में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होकर अपने भक्तों को दर्शन देने और अपनी प्रजा का कुशल-मंगल जानने नगर भ्रमण पर निकले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवारी निकलने के पूर्व सभा मंडप में पालकी का पूजन-अर्चन किया। सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर भगवान का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन कर आरती की गई।

भगवान श्रीमहाकाल की सवारी धूमधाम से निकाली गई जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर 08 जनजातीय दलों के द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संपूर्ण सवारी मार्ग पर बाबा महाकाल की आराधना और भजन-कीर्तन करते हुए नंगे पांव चले। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेडा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री संजय अग्रवाल आदि ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए।

भगवान श्री महाकालेश्वर की दूसरी सवारी के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव पूरे सवारी मार्ग पर डमरु और झांझ मंजीरे बजाते हुए पैदल चले। स्कूली विदयार्थियों द्वारा घोष वादन किया गया और

श्रध्दालुओं के भोले शंभु भोलेनाथ के जयकारों से संपूर्ण उज्जैन नगरी गुंजायमान हुई। सवारी के दौरान रोगी को ले जा रही एम्बुलेन्स को सवारी मार्ग के बीच से निकलने के लिए श्रध्दालुओं द्वारा ढाबा रोड व कमरी मार्ग पर रास्ता प्रदान किया गया। सम्पूर्ण सवारी मार्ग में श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के उद्घोष के साथ पुष्प वर्षा की।

भगवान चन्द्रमोलेश्वर पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा पालकी में सवार श्री चन्द्रमोलेश्वर भगवान को सलामी दिया गया। सवारी मार्ग में श्रद्धालुओं ने जय श्री महाकाल के घोष के साथ अवन्तिका नगरी के राजाधिराज पालकी में विराजित भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर व हाथी पर आरूढ़ भगवान श्री मनमहेश पर पुष्पवर्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरुप 350 पुलिस के जवानों द्वारा पुलिस बैंड के माध्यम से नमः शिवाय नमः शिवाय, हर हर शंभू देवा महादेवा, मेरे घर राम आए है, देवा हो देवा गणपति देवा, जय शिव ओमकारा ,सत्यम शिवम सुन्दरम आदि शिवभजनों की सु-मधुर धुनों की प्रस्तुतियां दी गई जिस पर श्रद्धालु मंत्र मुग्ध होकर झूमे।

भगवान श्रीमहाकाल की सवारी के दौरान पूरी उज्जैन नगरी शिवमय हो गई। श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में हजारों भक्त झांझ, मंजीरे, डमरू, ढोल आदि वाद्य बजाते हुए महाकाल की

आराधना करते हुए पालकी के साथ चल रहे थे। साथ ही उज्जैन के बाहर से आये हुए भक्तगण भी बाबा की एक झलक पाने के लिए उत्सुक थे। श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए रामघाट पहुंची।

रामघाट पर भगवान श्री चन्द्रमोलेश्वर का मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा माँ क्षिप्रा के जल से अभिषेक पूजन किया गया। रामघाट के दूसरी तरफ दत्त अखाडा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार किया गया। साथ ही कलाकार सुश्री लक्ष्मी तलरेजा के द्वारा भगवान शिव पर आधारित भजन प्रस्तुत किए गए। भगवान श्री महाकालेश्वर की पालकी के रामघाट पहुंचने पर शंखनाद और भगवान श्री महाकालेश्वर की आरती की गई। मुख?यमंत्री डॉ. यादव ने यहां भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन अर्चन कर प्रदेश की सुख समृद्धि और विकास की कामना की। पूजन - अर्चन के उपरांत भगवान महाकाल की सवारी रामघाट से रामानुज कोट , मोढ की धर्मशाला, कार्तिकचौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक होते हुए गोपाल मंदिर पहुंची। जहाँ परंपरानुसार सिंधिया स्टेट की ओर से गोपाल मंदिर के पुजारी द्वारा पालकी में विराजित श्री चन्द्रमोलेश्वर का पूजन किया गया। सवारी गोपाल मंदिर से पटनी बाजार, गुदरी चौराहा होते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। जहाँ पुनः आरती उपरांत सवारी का विश्राम हुआ।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने किया बाबा महाकाल के दर्शन लोककल्याण की प्रार्थना की

पवित्र श्रावण माह के दूसरे सोमवार को उपमुख्यमंत्री ाजेन्द्र शुक्ल ने उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन किए और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय बाबा महाकाल की परंपरागत सवारी में श्रद्धा एवं भक्ति भाव से शामिल हुए। भगवान महाकाल की पालकी जैसे ही महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण से निकली, पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि उज्जैन नगरी की धरती पर बाबा महाकाल का दर्शन परम सौभाग्य की बात है। श्रावण का यह पावन पर्व हमें भक्ति, सेवा और आत्मिक शुद्धता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार हैं। यह आध्यात्मिक शांति, सामाजिक एकता और संस्कारों की चेतना को सशक्त करते हैं। उल्लेखनीय है कि श्रावण सोमवार को भगवान महाकाल की परंपरागत सवारी नगर भ्रमण पर निकलती है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस अवसर पर नगर को भव्य रूप से सजाया गया था और चारों ओर धार्मिक उल्लास का वातावरण था।

उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने दिल्ली में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी से की सौजन्य भेंट

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में आनंदपीठाधीश्वर, अनंत श्री विभूषित, श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी महाराज (तपोनिधि, पंचायती श्री आनंद अखाड़ा) से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद एवं सान्निध्य प्राप्त किया। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वामी बालकानंद गिरी से धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि संत समाज का आशीर्वाद और विचारशील मार्गदर्शन लोककल्याण की दिशा में प्रेरक होता है। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा, हमारी आध्यात्मिक चेतना और संतों की सेवा भावना ही समाज में समरसता, शांति और नैतिक मूल्यों की स्थापना करती है। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं के सान्निध्य से सेवा और सद्भाव की प्रेरणा मिलती है, जो शासन के जनहितकारी प्रयासों को भी सार्थक दिशा प्रदान करती है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भास्कर लाक्षाकार के कविता संग्रह रामदास का मरना तय का विमोचन आज

भोपाल। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भास्कर लाक्षाकार के कविता संग्रह रामदास का मरना तय का विमोचन आज शाम 6 बजे, दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय, भोपाल में हो रहा है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त और पूर्व आईएएस अधिकारी- वरिष्ठ साहित्यकार श्री मनोज श्रीवास्तव करेंगे। मुख्य अतिथि होंगे वरिष्ठ कवि श्री राजेश जोशी। युवा कवि-समीक्षक अरुणाभ सौरभ कविता संग्रह की समीक्षा करेंगे। भास्कर लाक्षाकार 2010 बैच के आईएएस अधिकारी होकर वर्तमान में आयुक्त कोष एवं लेखा के पद पर पदस्थ है।यह उनकी महत्वपूर्ण काव्य कृति है। उनकी लेखनी सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन यथार्थ का गहरा चित्रण करती है। रामदास का मरना तय शीर्षक ही सामाजिक द्वंद्व, संघर्ष और इंसानी जिजीविषा के सवालों को उठाता है। इस संग्रह से उम्मीद है कि यह हिंदी कविता में नई दृष्टि, सोच और संवाद की ज़मीन तैयार करेगा।

नरेला में श्रावण माह के अवसर पर निकली बाबा महाकाल की सवारी

भोपाल। श्रावण माह के पावन अवसर पर सोमवार को भोपाल के नरेला विधानसभा अंतर्गत मंशापूर्ण हनुमान मंदिर शंकराचार्य नगर से बाबा महाकाल की सवारी निकाली गई। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सवारी में सहभागिता कर बाबा महाकाल से सर्वमंगल की कामना की। यह सवारी पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और विश्वास का केंद्र बनी रही। हजारों की संख्या में शिवभक्त इस सवारी में शामिल हुए और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण को शिवमय कर दिया। इस दौरान मंत्री श्री सारंग का स्वागत विभिन्न मंचों और स्थानों पर पुष्प वर्षा, माल्यार्पण तथा जयकारों के साथ किया गया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भगवान महाकाल की कृपा सब पर बनी रहे सबका कल्याण हो, सबकी मनोकामनाएं पूर्ण हों हम महादेव के श्रीचरणों में प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रावण माह शिव आराधना का विशेष समय है और इस अवसर पर महाकाल की सवारी का सहभागी बनना सौभाग्य की बात है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा के शंकराचार्य नगर क्षेत्र से निकली इस सवारी ने जनमानस को भक्ति, एकता और अध्यात्म के सूत्र में पिरो दिया। झांकियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बाल स्वरूप में भगवान शिव की झांकी, माँ काली के दिव्य स्वरूप, ढोल-ताशों की गूंज, पुष्प वर्षा एवं भजन मंडलियों की प्रस्तुति ने सवारी को अद्भुत दिव्यता प्रदान की।

पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई जाएगी पाइपलाइन

मंत्री कृष्णा गौर ने की विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विभिन्न विकासकार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पेयजल, सीवेज, सड़क और नाली निर्माण से जुड़ी सुविधाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने गोविंदपुरा के वार्ड 72 की सागर सिटी, सागर धाम और यशोदा नगर में पेयजल आपूर्ति के स्थायी हल करने के लिए पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जनता से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, और गोविंदपुरा क्षेत्र भी इसमें पीछे नहीं रहेगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड 72 के बिहारी कॉलोनी स्थित जर्जर आंगनबाड़ी भवन को तत्काल तोड़ने और नई आंगनबाड़ी भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। मालीखेड़ी, दशहरा मैदान, शबरी नगर

जैसी बस्तियों में सम्पवेल चालू कर पानी और सड़क निर्माण की योजना भी तत्काल शुरू करने को कहा।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जो भी कार्य किए जा रहे हैं, उनकी जानकारी संबंधित जनप्रतिनिधियों को अवश्य दी जाए। भ्रमण के दौरान नागरिकों से मिली शिकायतों का समाधान पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। वार्ड 73 की चांदवाड़ी कॉलोनी, शिव नगर, लक्ष्मी नगर आदि क्षेत्रों में सीवेज समस्या के समाधान के लिए ट्रंक लाइन डालने और अमृत 2.0 योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। वार्ड 74 के ग्राम खेजड़ा, भानपुर मल्टी से महोली, इकोग्रीन कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में सड़क निर्माण, सीमांकन और सीवेज से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

सावन माह में आज बन रहा है गजकेसरी महालक्ष्मी योग

इस साल का सावन माह काफी खास है। हर साल श्रावण मास की प्रतिपदा तिथि के साथ सावन आरंभ हो जाते हैं, तो पूर्णिमा को रक्षाबंधन के साथ समाप्त होते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल सावन माह में कई खास राजयोगों का निर्माण हो रहा है। इन्हीं राजयोगों में से एक गजकेसरी राजयोग का निर्माण सावन माह में हो रहा है, जिससे कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ-साथ धन-धान्य की बढ़ोतरी हो सकती है। आइए जानते हैं गुरु-चंद्रमा की युति से बना गजकेसरी राजयोग किन राशियों के लिए हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 22 जुलाई को सुबह 8 बजकर 14 मिनट पर चंद्रमा मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे और 24 जुलाई तक इसी राशि में रहने वाले हैं। ऐसे में मिथुन राशि में विराजमान गुरु बृहस्पति के साथ युति करके गजकेसरी राजयोग का निर्माण कर रहे हैं। करीब 54 घंटे इस राजयोग का निर्माण होने से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। ये विश्लेषण चंद्र राशि के आधार पर है।

इन राशियों को होगा लाभ: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, गुरु बृहस्पति और चंद्रमा की किसी न किसी राशि में जिस भाव में युति होती है, तो गजकेसरी योग का निर्माण होता है। इसके अलावा अगर केंद्र स्थान यानी लग्न,चौथे और दसवें भाव में गुरु के साथ-साथ चंद्र की युति होती है या फिर अगर चंद्रमा गुरु से केंद्र में हो या फिर चंद्र पर गुरु की कोई एक दृष्टि जा रही हो तो यह योग बनेगा। इसके साथ ही गुरु बृहस्पति अपनी उच्च राशि में चंद्र के साथ हो या चंद्र उच्च राशि में गुरु के साथ हो, तो गजकेसरी राजयोग का निर्माण होता है।

मिथुन राशि: इस राशि के जातकों के लिए गजकेसरी राजयोग काफी लाभकारी हो सकता है। इस राशि के जातकों को परिवार का पूरा साथ मिल सकता है, जिससे आप कई क्षेत्रों में अपार सफलता पा सकते हैं। लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ-साथ धन-धान्य की बढ़ोतरी हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों के लिए भी ये अवधि लकी हो सकती है। इस राशि के जातकों को उनके द्वारा की गई मेहनत का फल उनको मिल सकता है। इसके साथ ही पदोन्नति के साथ अच्छा खासा वेतन वृद्धि हो सकती है। उच्च अधिकारी भी आपके काम से प्रसन्न हो सकते हैं। बिजनेस के क्षेत्र में भी आपको काफी लाभ मिल सकता है। आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है, जिससे आप काफी मुनाफा कमा सकते हैं। नई नौकरी की तलाश कर रहे जातकों को भी सफलता हासिल हो सकती है। इसके साथ ही जीवन में खुशियों की दस्तक हो सकती है।

कन्या राशि: इस राशि के जातकों के लिए भी गजकेसरी राजयोग का लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों के सुख-साधनों में तेजी से वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल हो सकती है। जो लोग विदेश में नौकरी या फिर यात्रा करने के इच्छुक है, तो उन्हें भी कामयाबी मिल सकती है। वाहन सुख के योग बन रहे हैं। इसके साथ ही मानसिक और शारीरिक तनाव से मुक्ति मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में भी खुशियां बनी रहेगी। विवाह योग जातकों का शादी के योग बन रहे हैं। ऐसे में शादी के रिश्ते आ सकते हैं या फिर विवाह तय हो सकता है।

धनु राशि: इस राशि के जातकों के लिए गुरु-चंद्रमा की युति से बना गजकेसरी राजयोग लकी हो सकता है। परिवार के साथ अच्छा वक्त बीतेगा। इसके साथ ही परिवार का खूब सहयोग मिलेगा, जिससे कई समस्याओं का समाधान मिल सकता है। परिवार के साथ सुखद जीवन बीतेगा। इसके साथ ही पिता की ओर से सबसे अधिक लाभ मिल सकता है। ससुराल पक्ष से भी लाभ मिल सकता है। किसी ससुराल में किसी मांगलिक प्रसंग बन सकता है। विवाह के संयोग बन रहे हैं।

पंडित लेखराज शर्मा ज्योतिषाचार्य

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह से गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष पालीवाल ने की भेंट

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह से सोमवार को मंत्रालय में गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष श्री हिमान्जय पालीवाल एवं उनके दल ने भेंट की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य सरकार का स्कूल शिक्षा विभाग संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये विशेष प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 13 जिलों के शासकीय विद्यालयों में अरूण एवं उदय की संस्कृत की कक्षाएं प्रारंभ की जा चुकी है। इन स्कूलों में संस्कृत विषय को पढ़ाने के लिये शिक्षकों की व्यवस्था की गई है?। बैठक में गुजरात के प्रतिनिधि मण्डल को महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान की कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया गया। संस्थान के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी ने बताया कि महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, जीवाजी वेधशाला उज्जैन और योग प्रशिक्षण केन्द्र की समेकित वेबसाइट तैयार की गई है। वेबसाइट में लगभग 538 प्राचीन पुस्तकें, संस्थान की परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को मार्गदर्शन के लिये प्रश्न बैंक, आदर्श उत्तर पाठ्य सामग्री, संस्कृत भाषा में अरूण और उदय कक्षाओं

की पाठ्यपुस्तकें भी अपलोड की गई है। प्रतिनिधिमण्डल ने आदर्श आवासीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय जो संस्कृत माध्यम में अध्ययन कराता है, उसका दौरा किया। गुजरात संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष श्री पालीवाल ने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह एवं बोर्ड निदेशक श्री तिवारी को गुजरात राज्य में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिये किये जा रहे कार्यों के अवलोकन के लिये आमंत्रण दिया।

मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर

भोपाल। मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा।

प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रूझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हैक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हैक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है।

मध्यप्रदेश के उत्पादित फूलों की मांग देश के महानगरों के साथ विदेशों में भी बढ़ी है। गुना जिले के गुलाब की महक जयपुर, दिल्ली, मुम्बई के बाद अब पेरिस और लंदन में भी पहुँच रही है। शिक्षित युवाओं के साथ गांव में रहने वाले ग्रामीण किसान भी फूलों के उत्पादन की ओर आकर्षित हुए है। राजधानी भोपाल की ग्राम पंचायत बरखेड़ा बोदर की रहने वाली श्रीमती लक्ष्मीबाई कुशवाह धान, गेहू, सोयबीन की खेती छोड़कर गुलाब, जरबेरा और गेंदा के फूल का उत्पादन कर, हर महीने तीन से चार लाख रूपये कमा रही है। ऐसे अनेक उदाहरण है, जिनसे प्रदेश में फूलों का उत्पादन बढ़ा है। मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से उत्पादित किये जाने वाले फूलों में गेंदा, गुलाब, सेवन्ती, ग्लेडूलस, रंजनीगंधा तथा औषधीय पुष्पों में इसेवगोल, अश्वगंधा, सफेद मूसली और कोलिक्स है। प्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन क्षेत्र गेंदा के फूल का है। किसानों द्वारा 24 हजार 214 हैक्टेयर में गेंदे की खेती की जा रही है। दूसरे स्थान पर गुलाब है जिसका रकबा 4 हजार 502 हैक्टेयर और तीसरे स्थान पर सेवन्ती एक हजार 709 हैक्टेयर, चौथे स्थान पर ग्लेडूल्स एक हजार 58 हैक्टेयर, पांचवें स्थान पर रंजनीगंधा 263 हैक्टेयर सहित अन्य पुष्प 11 हजार 227 हैक्टेयर में बोए जा रहे है। प्रदेश में फूलों की प्रति हैक्टेयर उत्पादकता 15.01 मैट्रिक टन है, जो फूलों की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

इस उत्पादकता के लिये प्रदेश की जलवायु, यहाँ की मिट्टी के साथ सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसानों को शासन का सहयोग है। फूलों के उत्पादन से लेकर फूलों की गुणवत्ता में सुधार और मार्केटिंग महत्वपूर्ण विषय है, जिस पर मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग लगातार काम कर रहा है।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2024-25 में उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में 14 हजार 438 हैक्टेयर का विस्तार हुआ है और इसमें फूलों का रकबा 5329 हैक्टेयर बढ़ा है। प्रदेश में 33 प्रतिशत से अधिक फूलों (पुष्प) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने में उद्यानिकी विभाग की हाइटेक नर्सरी, प्रशिक्षण के माध्यम से कृषकों को तकनीकी की जानकारी प्रदान करना लगातार जारी है। इसी कड़ी में केन्द्र सरकार के सहयोग से ग्वालियर जिले में 13 करोड़ रूपये की लागत से हाइटेक फ्लोरी कल्चर नर्सरी विकसित की जा रही है। यह नर्सरी मध्यप्रदेश में पुष्प उत्पादन के लिये वरदान साबित होगी। वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश का सिरमौर बनेगा।

संपादकीय

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कर्ज से मुफ्त की रेवड़ियां

मुफ्त बिजली की 'रेवड़ियां' बांटने के कारण राज्यों पर 96 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह राशि भारत के सालाना राष्ट्रीय बजट से भी बहुत अधिक है। इस कर्ज पर 13 फीसदी ब्याज देना पड़ रहा है। 'ग्लोबल साउथ' के किसी भी देश की इतनी अर्थव्यवस्था नहीं है। एक राष्ट्र के तौर पर भारत पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत नागरिक पर 4 लाख रुपए से अधिक का कर्ज है, लेकिन देश के सामने यह कभी भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इतना कर्ज क्यों है? कर्ज किस वास्ते लेना पड़ा यह स्थिति तब है, जब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक की अर्थव्यवस्था वाला देश है और विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। चूंकि ताजातरीन मामला बिहार का है, तो वह भी 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज में डूबा है, जबकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए सालाना से कम है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। बेशक यह नितांत 'चुनावी रेवड़ी' है। बिहार में अगस्त माह में जो घरेलू बिल आएंगे, उनमें जुलाई के दौरान 125 यूनिट बिजली की खपत करने वालों का बिल 'शून्य' होगा। अजीब विरोधाभास यह है कि नीतीश कुमार मुफ्त बिजली सरीखी 'चुनावी रेवडियों' के धुर विरोधी रहे हैं। विधानसभा के भीतर और बाहर सार्वजनिक तौर पर उन्होंने 'रेवड़ियों' के खिलाफ बयान दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुले मंच से कह चुके हैं कि 'चुनावी रेवडियों' देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकती हैं, लेकिन बिहार में क्या हुआ वहां तो भाजपा सरकार में है। यही नहीं, भाजपा शासित राज्यों-दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उप्र, उत्तराखंड, मप्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा से लेकर महाराष्ट्र-में भी 'मुफ्त बिजली' मुहैया कराई जा रही है। बेशक 'रेवडियों' की यह चुनावी परंपरा अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 200 यूनिट बिजली मुफ्त बांट कर शुरू की थी। उनकी यह 'चुनावी रेवड़ी' पंजाब में भी बेहद कामयाब साबित हुई और आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनी। उसके बाद 'आप' ने तो इसे 'चुनावी करिश्मा' बना लिया। देखा-देखी भाजपा और कांग्रेस ने भी खूब 'रेवडियों' बांटीं। कांग्रेस की तीन राज्य सरकारें मुफ्त बिजली बांट रही हैं। यह दीगर है कि उन राज्यों पर भी लाखों करोड़ रुपए के कर्ज हैं। तमिलनाडु में विपक्षी दल द्रमुक की सरकार है और उस पर 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है, लेकिन सरकार पॉवरलूम कर्मचारियों को 1000 यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है। दरअसल इन सरकारों और राजनीतिक दलों को देश की अर्थव्यवस्था की जरा-सी भी चिंता नहीं है। दिल्ली अर्द्धराज्य है, संघशासित क्षेत्र है। वहां भारत सरकार और संसद भी है। दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। दिल्ली महानगर के निवासियों को किसी 'मुफ्त रेवड़ी' की जरूरत ही नहीं है, लेकिन चुनाव जीतने के लिए यह हथकंडा भी इस्तेमाल किया जाता रहा है।

मराठी वर्सेस हिन्दी एक तरह की संविधानबंदी

सरयूसुत मिश्रा

नव नियुक्त राज्यसभा सांसद उज्जवल निकम ने जो बताया, वह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने फोन पर सबसे पहले कहा कि मैं हिंदी में बात करूं या मराठी में. निगम के अनुसार पीएम ने मराठी में बात करके मनोनयन की जानकारी दी. महाराष्ट्र में इस समय मराठी पर विवाद चरम पर है. दशकों पहले अलग हुए उद्धव और राज ठाकरे मराठी भाषा के नाम पर एक साथ आ गए हैं. महाराष्ट्र में नगरीय निकायों के चुनाव होने वाले हैं. मुंबई महानगर पालिका के संभावित चुनाव मराठी विवाद के पीछे हैं. शायद इसीलिए प्रधानमंत्री ने भी मराठी भाषा में बात कर महाराष्ट्र के लोगों को संदेश दिया.

चुनाव के आसपास अक्सर भाषाई राज्यों में भाषा के विवाद उत्पन्न किए जाते हैं. दक्षिण भारत के राज्यों में तो यह विवाद चलते ही रहते हैं. महाराष्ट्र से अलग होकर गुजरात बना था. लेकिन गुजरात में भाषा को लेकर उतना विवाद नहीं है, जितना कि महाराष्ट्र में मराठी को लेकर है. व्यवसाय में जहां लाभ है, वहां भाषा भुला दी जाती है. मुंबई में ही हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है. वहां बनी हिंदी की फिल्में पूरी दुनिया में हिंदी भाषा पहुंचाती हैं. तमिल और दूसरी भाषा की फिल्मों को भी हिंदी में डबकर इसलिए दिखाया जाता है, क्योंकि देश में हिंदी का बाजार ज्यादा है. जैसे बाजार लाभ की भाषा में सोचता है, वैसे ही सियासत भी लाभ की ही भाषा समझती है. सियासत बातें संविधान की करती है, लेकिन लाभ के लिए आचरण संविधान विरोधी करने लगती है. मराठी भाषा के मामले में जिस तरह से मुंबई में हिंदी भाषियों को मारा-पीटा जा रहा है, वह न केवल अपराधिक कृत्य है, बल्कि संविधान विरोधी भी है.

भारत का संविधान सभी लोगों को देश के किसी भी राज्य में किसी भी स्थान पर रहने का, रोजगार करने का और जीवन यापन का अधिकार देता है. यही संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी अधिकार देता है. इसका मतलब है, कि कोई भी व्यक्ति देश के किसी भी हिस्से में रह सकता है और अपनी भाषा में अभिव्यक्ति का उसे अधिकार है. जो हिंदी भाषी मुंबई में रहते हैं, उन पर जबरदस्ती मराठी नहीं थोपी जा सकती. इसके उलट हिंदी देश की राजभाषा है. देश के सभी हिस्से में राजभाषा की शिक्षा त्रिभाषा फॉर्मूले में देना संविधान सम्मत है. मराठी विवाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे द्वारा मुंबई नगर पालिका चुनाव में राजनीतिक लाभ के लिए खड़ा किया जा रहा है. कोई भी ध्रुवीकरण शत प्रतिशत होता नहीं है. अगर मराठी ध्रुवीकरण भाषा के नाम पर कुछ सीमा तक हो भी जाता है, तो भी मुंबई में हिंदी भाषियों की संख्या पर्याप्त है. दोनों भाइयों को जितना मराठी भाषा के नाम पर एकजुटता लाभ पहुंचा सकती है, उतना ही हिंदी भाषियों में उनका जनाधार कमजोर होगा. इनका गठबंधन वैसे ही टूट गया है. मतलब कांग्रेस और एनसीपी मुंबई महानगर पालिका का अलग से चुनाव लड़ेंगी. यह सारे राजनीतिक गणित अभी धीरे-धीरे सामने आएंगे, लेकिन यह तो लगभग तय है कि कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन नहीं होगा.

संविधान निर्माता भाषाई विवाद के दूरगामी दुष्परिणाम को जानते थे. शायद इसीलिए देश में ऐसी व्यवस्था की गई कि अगर भाषा के नाम पर राज्यों की राजनीति बहकने भी लगे तब भी राज्य की सरकार राष्ट्रीय उद्देश्य और लक्ष्य के अनुरूप काम करती रहेगी. सरदार वल्लभभाई पटेल ने अखिल भारतीय सेवाओं का जो स्ट्रक्चर खड़ा किया है,वह इतना मजबूत और प्रैक्टिकल है, कि कोई भी भाषा विवाद राज्य के प्रशासन को प्रभावित नहीं कर सकता है.

अगर भविष्य में ऐसी भी स्थिति बन जाए, कि भाषा के लिए सबसे अधिक आक्रामक राजनीति करने वाला नेता भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ जाए, तब भी राज्य प्रशासन को एकतरफा नहीं बनाया जा सकता. इसका कारण यह है, कि हर राज्य में अखिल भारतीय सेवाओं आईएएस और आईपीएस के कैडर में दो-तिहाई संख्या दूसरे राज्यों के अफसरों की रखी जाती है.

किसी भी राज्य में जितने आईएएस अफसर हैं. उनमें तीन में एक ही अफसर उस राज्य का होगा. बाकी दो अफसर दूसरे राज्यों के होंगे. इसका मतलब है कि जो दूसरे राज्यों के दो अफसर हैं वह या तो हिंदी, अंग्रेजी भाषा के होंगे या किसी भाषाई राज्य से संबंधित होंगे. अगर राज्य का पॉलिटिकल नेतृत्व क्षेत्रीय भाषा को आक्रामकता के साथ राजनीतिक उपयोग की कोशिश करेगा तो भी राज्य का दो तिहाई प्रशासन ऐसे अफसरों के कंट्रोल में रहेगा, जो मूल रूप से उस भाषा से बिलॉन्ग नहीं करते हैं. जब इस व्यवस्था को बनाया गया था, तब संविधान निर्माताओं ने सोच लिया था, कि भाषा विवाद कभी ना कभी राज्य प्रशासन को प्रभावित कर सकते हैं.

अगर देश में आज संघवाद मजबूती के साथ काम कर रहा है, तो उसका भी एक बड़ा कारण अखिल भारतीय सेवाओं का स्ट्रक्चर कहा जा सकता है.

हिंदी संविधान के अनुसार भारत की आधिकारिक भाषा है. अंग्रेजी को एक निश्चित समय के लिए स्वीकार किया गया था, लेकिन वह सरकारी भाषा का रूप ले चुकी है. मराठी भाषा पर जो विवाद खड़ा किया जा रहा है, उससे बड़े-बड़े भाषा विवाद पहले हो चुके हैं. कई बार तो ऐसा लगने लगा था, कि कहीं देश का विखंडन भाषा के नाम पर ना हो जाए.

आजादी के बाद शुरुआती दिनों में भाषा के नाम पर बहुत विवाद हुए. अब धीरे-धीरे हमारा लोकतंत्र परिपक्व हो रहा है. हिंदी धीरे-धीरे देश के कोने-कोने में फैल रही है. इसका एक बड़ा कारण हिंदी सिनेमा और टेलीविजन के साथ ही विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों का आदान-प्रदान और संवाद माना जा सकता है. जिन राज्यों में पहले हिंदी भाषी अगर जाएं तो उनकी भाषा समझने वाला कोई नहीं मिलता था, वह स्थिति अब किसी भी राज्य में नहीं बची है. हिंदी भाषी पर्यटक भाषाई राज्यों में बड़ी संख्या में जाते हैं. उत्तर भारतीयों के चार धामों में से एक महत्वपूर्ण धाम रामेश्वरम तमिलनाडु में है. वहां उत्तर भारत के लोग तीर्थ यात्रा के लिए अनिवार्य रूप से जाते हैं. पहले वहां हिंदी भाषा समझने वाले नहीं मिलते थे, लेकिन अब केवल हिंदी भाषा जानने वाला संवाद शून्य नहीं रह सकता.

भाषा के नाम पर एक नई जंग विकास के रास्ते पर आगे बढ़ते भारत के लिए बाधक बन सकता है. भाषाई अंधभक्ति राज्य के हितों का संरक्षण नहीं कर सकती है. जिस तरह से हिंदी भाषी लोगों का आवागमन भाषाई राज्यों में हो रहा है, वह धीरे-धीरे भाषा के बैरियर को महत्वहीन कर देगा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति से त्रिभाषा फॉर्मूला लागू हो चुका है, जो राज्य भाषाई कट्टरता से ज्यादा अपने युवाओं को देश में बेहतर अवसर दिलाने के लिए हिंदी की शिक्षा को भी प्रोत्साहित करेंगे, उसका राजनीतिक लाभ भविष्य में उन्हें अवश्य मिलेगा. हिंदी को प्राथमिकता देने के लिए भी आक्रामकता की जरूरत नहीं है, उसकी उपयोगिता को धीरे-धीरे बढ़ाते हुए स्वाभाविक स्वीकारोक्ति पर आगे बढ़ना ही श्रेयस्कर है. संविधान पर हमले की बात सभी दल करते हैं. वास्तव में मराठी वर्सेस हिन्दी संविधान की राजनीतिक बंदी का नमूना है.

कारपेंटर नागेश्वर विश्वकर्मा: भारत उदय का एक अनुपम उदाहरण

नागेश्वर के पास काम करने के उपकरण आधुनिक थे जिनको देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। जब मैंने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके ज़िले के मुख्यालय रतलाम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत चार दिवसीय कौशल उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत उसने प्रशिक्षण में भाग लिया था।उसने बताया कि लगभग 4,000 लोगों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इनमें बढ़ई, लोहार, नाई तथा कुछ अन्य कार्यों की विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। वहाँ सभी को 15,000 रुपये तक के उपकरण शासन की ओर से मुफ्त प्रदाय किए गए। इसके अतिरिक्त सभी को एक लाख रुपये का आसान किश्तों पर ऋण दिया गया।नागेश्वर से मैंने पूछा कि क्या उसे प्रशिक्षण से कुछ लाभ हुआ, तो उसने बताया कि कुछ नए कार्य करने के तरीक़े उसे बताए गए और दिए गए उपकरणों का प्रयोग समझाया गया। आलोट के संपन्न परिवारों में उसे फ़र्नीचर आदि बनाने का बहुत कार्य मिलता है।

एन के त्रिपाठी

यह चित्र नागेश्वर विश्वकर्मा का है जो पेशे से कारपेंटर है। ये रतलाम ज़िले की तहसील आलोट के ग्राम पीपल्या सिसोदिया के रहने वाले हैं। ये अपने गाँव में रह कर थोड़ी सी खेती करने के अतिरिक्त निकट स्थित आलोट में बढ़ई के रूप में काम करते हैं। उन्हें वहाँ पर्याप्त कार्य मिल जाता है। नागेश्वर के बड़े भाई देवीलाल पुलिस लाइन इंदौर में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ है। प्रधान आरक्षक देवीलाल को मैं अपने इंदौर में छह्वत की पदस्थापना के समय से जानता हूँ तथा इनकी शासकीय समस्याओं में सहायता करता रहा हूँ। कारपेंटर नागेश्वर को उसके एक असिस्टेंट रिश्तेदार ईश्वर के साथ मैंने भोपाल में अपने घर में काम के लिए अभी बुलाया था।बहुत तत्परता से सभी कार्य इन दोनों ने मिलकर पूर्ण कर दिए।

नागेश्वर के पास काम करने के उपकरण आधुनिक थे जिनको देखकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। जब मैंने उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके ज़िले के मुख्यालय रतलाम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत चार दिवसीय कौशल उन्नयन (ह्यद्मद्बद्यद्य स्रद्द1द्दह्यश्च्ब्र-द्दद्गठ्ठह्ल) कार्यक्रम के अंतर्गत उसने प्रशिक्षण में भाग लिया था।उसने बताया कि लगभग 4,000 लोगों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। इनमें बढ़ई, लोहार, नाई तथा कुछ अन्य कार्यों की विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। वहाँ सभी को 15,000 रुपये तक के उपकरण शासन की ओर से मुफ्त प्रदाय किए गए। इसके अतिरिक्त सभी को एक लाख रुपये का आसान किश्तों पर ऋण दिया गया।नागेश्वर से मैंने पूछा कि क्या उसे प्रशिक्षण से कुछ लाभ हुआ, तो उसने बताया कि कुछ नए कार्य करने के तरीक़े उसे बताए गए और दिए गए उपकरणों का प्रयोग समझाया गया। आलोट के संपन्न परिवारों में उसे फ़र्नीचर आदि बनाने का बहुत कार्य मिलता है।

पिछले सात दशक से हम भारत में शासकीय कार्यक्रमों को दूर दराज़ के क्षेत्रों में असफल होते देख रहे हैं। जिन उद्देश्यों के लिए योजनाएं बनायी जाती है वे पूरे नहीं होते हैं, तथा इन योजनाओं में फ़र्ज़ी कार्य दिखाकर धन राशि हड़प ली जाती है। ज़मीनी स्तर पर प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की सफलता का विवरण सुनकर मुझे प्रसन्नता हुई। ज़मीनी स्तर पर कारीगरों को अच्छे हुनर का प्रशिक्षण देकर भारत उच्च गुणवत्ता की ओर बढ़ सकता है। जहाँ भारत को आधुनिकतम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबॉट और क्वांटम के प्रयोग में उच्च स्तरीय अनुसंधान की आवश्यकता हैं वहीं अपनी नींव को भी सजाना और सँवारना पड़ेगा। कृषि में लगी हुई भारत की विशाल जनसंख्या के एक बड़े भाग को कृषि से हटाकर अन्य उद्योग-धंधों में लगाया जाना आवश्यक है। इससे जहाँ कृषि के लिए किसानों को अधिक भूमि उपलब्ध होगी वहीं देश का चहुंमुखी विकास भी हो सकेगा।

बुजुर्गों की ज़िंदगी और पर्यावरण

राकेश दुबे

जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका-यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं. लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है।

चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है। दरअसल, बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलत~ गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं।

ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलत~ मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलत~ शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क दिवस

सार्थक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो हमें अपने मस्तिष्क का पुनर्संयोजन करना होगा

महेश अग्रवाल
योग गुरु

तनाव, स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं और स्वस्थ मानसिक स्थिति शारीरिक स्वास्थ्य के अनुकूल होती है आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि हर साल 22 जुलाई को विश्व मस्तिष्क दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मस्तिष्क विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मस्तिष्क विकलांगताओं की रोकथाम और उपचार को आमजन तक पहुंचाना है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि मानव मस्तिष्क शरीर का एक आवश्यक अंग होने के साथ-साथ प्रकृति की एक उत्कृष्ट रचना भी है। यह हमारी इच्छाओं, संवेगों, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, चेतना, ज्ञान, अनुभव, व्यक्तित्व इत्यादि का केन्द्र भी होता है। मस्तिष्क का अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि क्योंकि यह प्रकृति की एकमात्र रचना है जिसमें प्रकृति को प्रभावित करने की क्षमता होती है। वास्तव में प्रकृति के साथ इसका संबंध द्विदिशात्मक होता है। अर्थात् यह अंग प्रकृति से प्रभावित होने के साथ-साथ प्रकृति को प्रभावित भी करता है। एक पुरानी कहावत है कि एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मन का वास होता है। वर्तमान समय में यह कहावत बिलकुल सही सिद्ध हुई है एवं इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही सही है। हमारा शारीरिक स्वास्थ्य बहुत सीमा तक हमारी मानसिक स्थितियों पर निर्भर करता है। तनाव, स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं और स्वस्थ मानसिक स्थिति शारीरिक स्वास्थ्य के अनुकूल होती है। मनोतंत्रिका प्रतिरक्षाविज्ञान की समग्रतात्मक संकल्पना पूर्णतः इसी पर आधारित है। इसके अनुसार हमारे स्वास्थ्य के लिए हमारी मानसिक स्थितियां, मस्तिष्क, अन्तःस्रावी तंत्र एवं प्रतिरक्षा तंत्र सामूहिक रूप से कार्य करते हैं और ये सब आपस में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़ कर समस्थापन का कार्य करते हैं। इनकी अन्तःक्रिया हमारे स्वास्थ्य के रूप में परिलक्षित होती है। स्वास्थ्य की यह संकल्पना कोई बहुत नई नहीं है। हमारे पारंपरिक चिकित्साविज्ञान (आयुर्वेद) में शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक शुचिता पर बल दिया गया है।

योगविज्ञान में बताए गए प्राणायाम तथा आसन, मन एवं शरीर को स्वस्थ रखने के साधन कहे गए हैं। वर्तमान शोध भी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यौगिक आसन एवं प्राणायाम यदि सही विधि एवं नियमित रूप से किये जाएं तो उनसे बहुत लाभ मिल सकता है।

मानव मस्तिष्क एक सर्वाधिक विलक्षण चीज है, जो कम्प्यूटर यंत्र के सदृश है। यह एक ऐसा जीवित कम्प्यूटर है जिसकी बनावट और पेचीदगी कल्पना से परे है। आधुनिक वैज्ञानिकों के मतानुसार इसमें दस से तेरह अरब न्यूरॉन्स हैं जो बाह्य जगत् एवं शरीर से प्राप्त संवादों-संवेगों का संचालन, विश्लेषण, तुलनात्मक अध्ययन व प्रसारण करते हैं। शरीर के प्रत्येक अंग से संवेदी आँकड़ों के साथ- साथ प्रति क्षण ये ज्ञानेन्द्रियों द्वारा करोड़ों संवादों को प्राप्त कर उन पर कार्य करने में सक्षम हैं। याद रखें शरीर के प्रत्येक बाल का सम्बन्ध मस्तिष्क से है। शरीर के प्रत्येक वर्ग इंच का सम्बन्ध मस्तिष्क के बहुसंख्यक सूत्रों से है।

इसके अलावा अवचेतन मन के क्षेत्र में असंख्य क्रियाएँ होती रहती हैं, जिनसे हम अनभिज्ञ हैं। यदि हमें इन सबकी जानकारी होती तो हम सूचनाओं की बाढ़ में डूब जाते। इस परिस्थिति में यह आवश्यक है कि हमारी चेतना शरीर और इन्द्रिय संवेदनाओं की क्रियाओं से मुक्त होकर दूसरे कार्यों का सम्पादन कर सके।

मस्तिष्क का यंत्र कैसे कार्य कर रहा है, यह जानना आवश्यक है। हमारा मस्तिष्क विद्युत द्वारा परिचालित आधुनिक कम्प्यूटर यंत्र की भाँति है। यदि कम्प्यूटर का संचालक किसी प्रश्न को हल करना चाहता है तो उसका उत्तर पाने में वह ज्यादा उत्सुक रहता है, न कि प्रश्न हल करने की क्रियाविधियों में। लेकिन यंत्र बिगड़ जाने पर यंत्र चालक उसकी गतिविधियों को जानने का प्रयास करता है। जब मशीन में ही गड़बड़ी रहती है तो सही उत्तर पाने की कैसे आशा की जा सकती है? गड़बड़ी या तो संयोजन में होती है या यंत्र में।

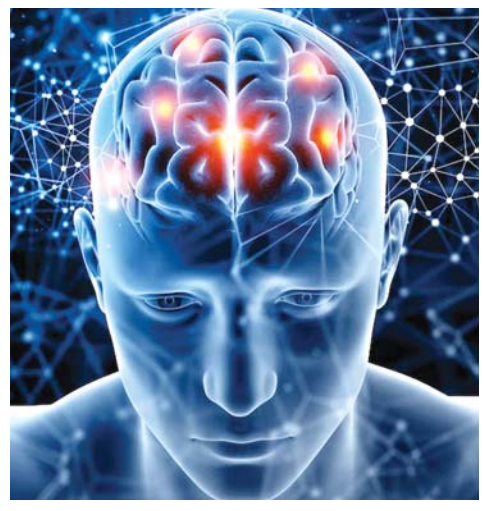

हममें से अधिकतर लोग जिस कम्प्यूटर रूपी मस्तिष्क को लेकर चल रहे हैं उससे भ्रामक उत्तर ही प्राप्त होते हैं। वास्तव में कुछ अपवादों को छोड़कर मस्तिष्क में गड़बड़ी नहीं है, गड़बड़ी है उसके संयोजन में। दूसरे शब्दों में, अगर हम एक सार्थक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो हमें अपने मस्तिष्क का पुनर्संयोजन करना होगा। गलत मानसिक संयोजन की आदत हमने जन्म से ही डाल ली है, जिसके फलस्वरूप हम जीवन में सुख-शान्ति की कमी की स्थिति झेल रहे हैं। मन को पुनः संयोजित करके हम एक ऐसे जीवन की देहरी पर पदार्पण करेंगे, जहाँ एक नयी उल्लास भरी सार्थकता होगी। भली प्रकार से संयोजित किया हुआ मन इस संसार को सच्चा स्वर्ग बना देगा। यदि मन की स्थिति विपरीत हुई तो जीवन नारकीय बन जायेगा।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि हमारा मानसिक संयोजन ही हमारे दुःखों का कारण है। हम अपने अहं को पुष्ट करके आनन्द की खोज करते हैं। इस तरह से सुख खोजने का यह परिणाम होता है कि हमें धन की प्राप्ति, नयी कार खरीदने, खान-पान, मान-मर्यादा और प्रभुता स्थापित करने में सुख की प्राप्ति दिखायी देती है, जो कि क्षणिक है। एक वाक्य में कहें तो हम अपने अहं के पोषण में ही सुख का अनुभव प्राप्त करने का प्रयास करने लगते हैं। सुख प्राप्ति के इस प्रकार के प्रयास के फलस्वरूप हम अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए दूसरे लोगों का उपयोग करने को बाध्य हो जाते हैं। यदि वे हमारे रास्ते में आते हैं तो हम हर सम्भव प्रयास कर उन्हें अपने रास्ते से हटाने का प्रयास करते हैं, जिसके फलस्वरूप घृणा, ईर्ष्या, चिन्ता, तनाव और भय आदि से वातावरण दूषित हो जाता है। आनन्द की खोज के इस तरीके का परिणाम विपरीत ही होता है। अगर हमें इच्छित वस्तु प्राप्त नहीं होती तो हमारे मन में कई तरह के मानसिक तनाव, दुःख और अशान्ति व्याप्त हो जाते हैं।

ये सभी वस्तुएँ हमें सुख नहीं दे पाती हैं, इसके बावजूद हम इन चीजों के पीछे क्यों भाग रहे हैं? इसका उत्तर यही है कि हमारे मन का संयोजन ही ऐसा है कि हम इन क्षणिक चीजों में सुख खोजने लगते हैं। आजकल जैसे कम्प्यूटर यंत्र बिगड़ जाने पर उसे नये ढंग से सुधार सकते हैं, उसी प्रकार अपने मन को सुधारने के लिये उसका पुनर्संयोजन कर सकते हैं। आवश्यक प्रयास करने से यह संभव है। इस नये संयोजन के परिणामस्वरूप हम अपने वातावरण के प्रति नवीन तथा बेहतर प्रतिक्रियायें व्यक्त करेंगे और तब हमारा आनन्द अहंकार की तृष्टि और वासनाओं पर निर्भर नहीं रहेगा।

यदि हम जीवन में अपने आसपास के वातावरण तथा लोगों के साथ निरन्तर संघर्षरत रहें तो ध्यान सर्वथा असंभव है। अगर हम जीवन में संघर्षरत रहने की अपेक्षा जीवन-धारा में बह चलें तो ध्यान स्वतः लगा करेगा। यदि हम अपने मन का पुनर्संयोजन कर सकें तो हम वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं, तब बिना प्रयास के ध्यान स्वतः लग जाएगा। इससे हमारी चेतना विस्तृत होगी। आनन्द इसी उन्मुक्त चेतना की देन है।

संसार को खींच-तान कर अपनी इच्छा के अनुरूप बनाने से आनन्द नहीं मिलेगा। आनन्द अपने मन के ऊपर निर्भर करता है, न कि संसार को अपनी इच्छाओं के अनुरूप बनाने पर अपने मन के विचारों को नये ढंग से संयोजित करने से हम चिरस्थायी आनन्द पा सकते हैं जो हमारी आत्मा अंदर स्वयं विद्यमान है।

वर्तमान जीवन की हमारी मान्यताएँ और धारणाएँ, रुचि अरुचि, राग- द्वेष, रह-रह कर उठने वाली ईर्ष्या आदि के द्वारा संसार की जो व्याख्या की जाती है, वह बिल्कुल विकृत और निराधार है। हमारा मन उन्हीं सूचनाओं और संवेदनाओं को ग्रहण करता है जो उसकी पूर्व-निश्चित धारणाओं और संयोजन के अनुरूप हुआ करते हैं। दूसरे शब्दों में, यदि हम ऐसा अनुभव करें कि संसार में हर कोई हमसे घृणा का भाव रखता है तब हमारा मन उसी प्रकार की सूचनाओं को तेजी से ग्रहण करेगा जो घृणा को बढ़ाने वाली होंगी। तब मन दूसरे प्रकार के अनुभवों को दबा देगा। यदि हम समझें कि संसार में हर कोई हमें प्यार करता है तो हमारा मन बाह्य जगत् की सारी घटनाओं को प्रेम के ही रंग में रंगा हुआ देखेगा। ऐसे अनेक उदाहरणों से हम देख सकते हैं कि मन बाह्य घटनाओं को अपने संयोजन के अनुरूप सिद्ध करने में बहुत पटु है। हम भ्रम के जाल में अधिकाधिक उलझते चले जाते हैं। बाहरी दुनिया का यथार्थ स्वरूप हम इसी मन के कारण, अपनी कामनाओं के कारण नहीं देख पाते। याद रखें, हमारे कहने का तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि कामनायें एवं इच्छाएँ बुरी होती हैं। परन्तु आध्यात्मिकता के विकास और ध्यान के अनुभवों की प्राप्ति में वे बाधक अवश्य हैं। अवर्णनीय आनन्द और उच्चतर चेतना हमारी प्रतीक्षा कर रही है। हमें मात्र अपने मन का पुनर्संयोजन करना है और ध्यान में रत हो जाना है।

प्रमस्तिष्क - मानव मस्तिष्क का यह सबसे बडा भाग है। इसके बांये व दायें ऐसे दो गोलार्ध होते । दोनों मस्तिष्क गोलार्ध तंत्रिका/स्नायु ऊतकों से जुडे होते हैं। इन गोलार्थों के पृष्ठ भाग पर ऊँची नीची परतें होती हैं जिन्हें वल्कल या प्रमस्तिष्कीय छाल कहते हैं। लिखाई, चित्रकला, स्मृति, भाषा, ज्ञान इत्यादि समान ऊँचे स्तर के मनोवैज्ञानिक कार्यों से इस भाग का संबंध है ऐसा माना जाता है। प्रत्येक मस्तिष्क गोलार्ध तीन परतों का बना होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

फफूंदनाशक दवा से खराब हुई फसल, नुकसान की भरपाई मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने तहसील में दिया धरना

किसानों ने कृषि विभाग से पूछा जिस दुकान को सील किया था वो कैसे खुल गई,दुकानदार पर कब होगी कार्यवाही

आष्टा । सोयाबीन बुवाई के दौरान आष्टा विधानसभा क्षेत्र के कई ग्रामों के किसानों ने बीजों उपचार हेतु सुपर 907 फफूंद नाशक दवा आष्टा के कीटनाशक दवा विक्रेता अंबिका पाटीदार ट्रेडर्स से खरीदी थी । उक्त फफूंद नाशक दवा से सोयाबीन का बीज उपचार कर सोयाबीन की बोवनी की गई थी । लेकिन फफूंद नाशक दवा के उपयोग के कारण सोयाबीन की फसल खराब हो गई । बोवनी के बाद फसल ने ग्रोथ नहीं किया । जिसकी शिकायत पीड़ित किसानों ने प्रशासन,शासन,पुलिस, कलेक्टर, एसडीएम को की गई । शिकायतों के बाद कृषि-राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के दल ने दुकान का निरीक्षण किया । उक्त दल ने लगभग 73 किलो फफूंदनाशक दवा जिसके कारण सोयाबीन की फसल खराब हुई को जप्त कर उक्त दवा की बिक्री पर रोक लगाई । उसके बाद कृषि विभाग के सहायक संचालक द्वारा उक्त अंबिका पाटीदार ट्रेडर्स प्रतिष्ठा को सील करने की कार्यवाही की गई,लेकिन अचानक कुछ दिनों बाद बिना किसी कार्यवाही के उक्त सील की गई दुकान अंबिका पाटीदार ट्रेडर्स खुल गई तथा किसानों को खराब हुई फसल का कोई मुआवजा भी नहीं मिला । ना ही किसी पर कोई कार्यवाही हुई । जिसको लेकर पीड़ित किसानों में आक्रोश छा गया । पीड़ित किसान इसके बाद सीहोर जनसुनवाई में कलेक्टर के यहां पर पहुंचे । चर्चा के बाद ज्ञापन दिया गया । वही इस ही दौरान कृषि

विभाग सीहोर से एक प्रेस नोट जारी हुआ जिसमें कहा गया कि आष्टा के कन्नोद रोड़ स्थित कीटनाशक दवा विक्रेता मेसर्स अंम्बिका पाटीदार ट्रेडर्स को अमानक फफूंदनाशक दवा बेचने पर सील कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आष्टा विकासखंड के लगभग 115 से 120 किसानों ने सोयाबीन बीज के उपचार के लिए स्क्क्र709 नामक फफूंदनाशक दवा मेसर्स अम्बिका पाटीदार ट्रेडर्स से खरीदी थी।

इस दवा के उपयोग के बाद फसल में अंकुरण आया लेकिन पौधों में वृद्धि नहीं हो पाई। इस संबंध में किसानों ने ज्ञापन दिया है कि क्षेत्र की लगभग 1500 एकड़ की सोयाबीन फसल नष्ट हो गई हैं। इस शिकायत की जांच के लिए कृषि विभाग ने सहायक संचालक के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। जांच में टीम द्वारा शिकायत सही पाई गई। शिकायत सही पाए जाने पर दवा विक्रेता की दुकान मेसर्स अम्बिका पाटीदार ट्रेडर्स को सील कर दिया गया है। इसके साथ ही कृषि विभाग द्वारा संबंधित विक्रेता और निर्माता कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि जिन किसानों का नुकसान हुआ हैं उन किसानों से समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण करें और 03 दिनों में विभाग को अवगत कराएं। निराकरण न करने की स्थिति में विक्रेता और निर्माता कंपनी के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस निर्देश का भी कोई असर नही हुआ उल्टे जो दुकान सील की गई थी,वो खुल गई । सील दुकान क्यो खोली,किसके आदेश से या दवाब में खुली,इसको लेकर तरह तरह की चर्चा आम है ।वही कृषि विभाग का मौन भी बहुत कुछ कहता है । आज सभी पीड़ित आक्रोशित किसान ग्रामीणों ने आष्टा तहसील परिसर में पहुंचकर धरना दिया तथा जमकर नारेबाजी की । किसानों ने मांग की है कि जिस फफूंद नाशक दवा के उपयोग से उनकी सैकड़ो एकड़ जमीन में बोई गई सोयाबीन की फसल खराब हुई उसका मुआवजा दिया जाए और किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए देखना है अब शासन,प्रशासन,कृषि विभाग क्या कदम उठाता है ।

आबकारी विभाग बेगमगंज द्वारा आदिवासी बहुल क्षेत्र में अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही

औबेदुल्लागंज। कलेक्टर जिला रायसेन एवं सहायक आयुक्त आबकारी दीपक अवस्थी जिला रायसेन के निर्देशानुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी सरिता चंदेल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी बबीता भट्ट आबकारी उपनिरीक्षक वृत बेगमगंज रविन्द्र अहिरवार, उपनिरीक्षक वृत बरेली राजेश विश्वकर्मा, उपनिरीक्षक वृत रायसेन मुकेश

श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक वृत ओबेदुल्लागंज गौरव भद्रसेन, उपनिरीक्षक सुनील कुमार मीणा की संयुक्त टीम ने मुखबिर प्राप्त सूचनाओं एवं शिकायतों के आधार पर अवैध मदिरा के विरुद्ध सोमवार को आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र प्रतापगढ़, उचेरा जमुनिया, देवरी, पटना, बिकलपुर, मेहगंवा, परासिया एवं जैथारी में दविश देकर विदेशी शराब, कच्ची एवं महुआ लाहन बरामद कर धारा 34- 1 एवं 34- 2 के तहत कुल 07 प्रकरण दर्ज किया गया द्य कुल जब्त मदिरा में 04 बल्क लीटर विदेशी शराब, लगभग 62 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब जप्त एवं लगभग 1000 किलो महुआ लाहन बरामद हुआ महुआ लहान का सेंपल लेकर मोके पर नष्ट किया गया।

जप्त कुल मदिरा का अनुमानित मूल्य 119000/ - रूपये है। उक्त कार्यवाही में आबकारी मुख्य आरक्षक निजाम खान, आरक्षक गोविंद महावार, माजिद खान, प्रवीण अहिरवार, सत्यवान एवं नगर सैनिको का सराहनीय सहयोग रहा।

जंगल लकड़ी लेने गया था युवक पेड़ में लटकता मिला शव

शहडोल। जिले मे ब्यौहारी थाना अंतर्गत ग्राम आखेटपुर में पेड़ की कटाई कर रहे युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय रामभुवन कोल घर से लगभग पांच किलोमीटर दूर जंगल में सरई के पेड़ पर चढ़कर डगाली काट रहा था। इस दौरान युवक का अचानक पैर फिसला और वह पेड़ से गिरते हुए कटी हुई डगाली में फंस गया। पेड़ से गिरने के कारण लकड़ी उसके पेट में घुस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। युवक के रात तक नहीं लौटने पर परिजनों ने सुबह जंगल की ओर तलाश किया तो वहां मृत हालत मे युवक का शव कटी हुई डगाल में फंसा था। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। पुलिस ने मामले पर मर्ग कायम किया है।

सेल्फी के चक्कर मे खाई में गिरा युवक, मौत

शहडोल। सेल्फी लेने के चक्कर मे पैर फिसलने से कई फिट नीचे खाई मे गिरे एक युवक की दर्दनाक मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार संभागीय मुख्यालय से लगे पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते रविवार बड़ी तुम्मी में सेल्फी लेने के दौरान एक 18 वर्षीय युवक लखन सिंह खाई में गिर गया।जिससे युवक की जान चली गई। घटना को लेकर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवक शहडोल जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहतरा का निवासी था। वह अपने अन्य दो दोस्तों के साथ बड़ी तुम्मी घूमने आया था। यहां सेल्फी लेने के दौरान बहुत ज्यादा किनारे पर चला गया और पैर फिसलने से नीचे खाई में गिर गया। युवक का शव काफी मशक्कत के बाद खाई से उपर लाया जा सका है। युवक का पोस्टमार्टम कराने पश्चात शव परिजनों को सौप दिया जाएगा।

बाणसागर बांध के सभी गेट बंद

शहडोल। जिले के अंतिम छोर पर स्थित बाणसागर बांध में घटे जलस्तर के बाद शाम लगभग 5 बजे बांध के सभी खोले गए रेडियल गेटो को बंद किया गया। प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार जलस्तर 338.63 मीटर तक पहुंच जाने के बाद जलस्तर को स्थिर रखने गेट बंद किए गए है। विदित हो कि जिले मे लगातार बारिश के चलते बांध में लगातार जलभराव के बाद जल स्तर 339.96 मीटर तक पहुंच गया था। बांध मे जलभराव क्षमता 341.64 मीटर से लेवल 1.68 मीटर रह जाने के बाद 8 आठ गेट खोले गए थे। वर्तमान में बांध की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। साथ ही आस- पास के ग्रामों को भी सूचित कर दिया गया है। हालांकि स्थानीय प्रशासन और सिंचाई विभाग लगातार स्थिति पर निगरानी बनाए हुए है।

नशे के दुष्यप्रभावों के प्रति लोगों को किया गया जागरुक

शहडोल। नशा छोडने से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभ होते है। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, पूरे समाज को प्रभावित करता है इससे दूरी रखना नितांत आवश्यक है। नशा मुक्ति समाज बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना होगा, नशा से होने वाले दुष्यप्रभावो के बारे में स्वयं जागरूक रहे और दूसरो को भी जागरूक करें। पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में शहडोल जिले के समस्त थाना क्षेत्रांतर्गत 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान चलाकर लोगो को नशे के दुष्यपरिणामो के बारे में जागरूक किया जा रहा है, तथा नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई जा रही है। कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशीली वस्तुओं के सेवन से रोकने के लिये प्रेरित करने के साथ ही जागरूक किया गया।

रोटरी क्लब का वार्षिक पदस्थापना कार्यक्रम संपन्न

राजकुमार गुप्ता अध्यक्ष, नीरज चौरसिया सचिव बने

छतरपुर। रोटरी क्लब छतरपुर का वार्षिक पदस्थापना कार्यक्रम डीआईजी ललित शाक्यवार के मुख्य आतिथ्य एवं नपाध्यक्ष ज्योति चौरसिया, सीएमएचओ डॉ.आरपी गुप्ता के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता को रोटरी क्लब का अध्यक्ष एवं नीरज चौरसिया को सचिव नियुक्त किया गया जिन्होंने अपना कार्यभार भी संभाल लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट रोटेरियनों एवं पत्रकारों को सम्मानित किया गया। डीआईजी ललित शाक्यवार ने अपने उदबोधन में कहा कि लोगों को खुद खुश रहना चाहिए तथा दूसरों को भी खुश रखना चाहिए। रोटरी क्लब इसी उद्देश्य को लेकर काम करता है।

दुराचार के आरोपी की गिरफ्तारी में देरी पीड़िता ने एसपी से की शिकायत

आरोपी को छिपाकर केस वापस लेने का दबाव बनाने का पीड़िता ने आरोपी की पत्नी पर लगाया आरोप

बैतूल। पाथाखेड़ा निवासी एक महिला ने दुराचार के आरोपी की गिरफ्तारी में हो रही देरी को लेकर पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। पीड़ित महिला ने बताया कि उसके द्वारा थाना सारणी में दर्ज कराई गई एफआईआर किये जाने के बावजूद आरोपी गोलू उर्फ ब्रजलाल चौकसे को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। वही आरोपी की पत्नी पिंकी चौकसे उसे जानबूझकर छुपाकर पुलिस को गुमराह कर रही है। शिकायतकर्ता पूजा पति संजू कुमार मंदरे ने बताया कि उनके पति संजू कुमार मंदरे ड्रायवरी का कार्य करते है। और अधिकतर बाहर रहते है। इस दौरान मोहल्ले में रहने वाले रिश्तेदार गोलू उर्फ ब्रजलाल चौकसे ने उनकी पारिवारिक स्थिति का लाभ उठाते हुए घर आना-जाना शुरू किया। पूजा का आरोप है। कि फरवरी 2025 की एक रात करीब 8 से 9 बजे के बीच गोलू उनके घर आया और पानी मांगा। जब वह रसोई से पानी लाने गई तो गोलू ने पीछे से आकर पकड़ लिया और दबाव पूर्वक उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो वह उसे और उसके बच्चों को नुकसान पहुंचाएगा। पूजा के अनुसार, मार्च और अप्रैल माह में भी आरोपी ने इसी तरह दो-तीन बार और दुराचार किया। पीड़िता ने बताया कि डर और सामाजिक दबाव के कारण वह लंबे समय तक चुप रही लेकिन तबीयत खराब होने पर डॉक्टर से जांच कराने पर पता चला कि वह 17 सप्ताह की गर्भवती है। इसके बाद उसने पति संजू और ननद मंसू को पूरी जानकारी दी और 11 जुलाई को थाना सारणी में रिपोर्ट दर्ज कराई। एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है । पुलिस जब भी गिरफ्तारी के लिए पाथाखेड़ा स्थित उसके निवास पर जाती है। तो आरोपी की पत्नी पिंकी चौकसे पुलिस को गुमराह कर देती है। साथ ही पूजा और उसके पति पर दबाव डाल रही है। कि वे रिपोर्ट वापस लें और आरोपी की जमानत करवा दें। पूजा ने एसपी से आग्रह किया हैं। कि आरोपी गोलू को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए ताकि वह साक्ष्यों या गवाहों को प्रभावित न कर सके और न्यायिक प्रक्रिया बाधित न हो जिसके लिए पीड़ित अपने पति संजु के साथ अतरिक्त अधीक्षक कमला जोशी से मिली और आरोपी कि गिरफ्तारी की मांग की है।

सीएमओ ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ठेकेदार को दी चेतावनी

सिरोंज। नगर में चल रहे निर्माण कार्यों की हकीकत जानने निकले नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू को गुस्सा उस समय फूट पड़ा, जब उन्होंने देखा कि पुराना बस स्टैंड स्थित मूत्रालय के रिनोवेशन में ठेकेदार और मिस्त्री की घोर लापरवाही चल रही है।

जैसे ही सीएमओ साइट पर पहुंचे, उन्होंने पाया कि दीवार सीधी नहीं बल्कि आंखों में चुभने वाली टेढ़ी-मेढ़ी बना दी गई है। वेंटिलेशन का ढांचा भी गलत दिशा में और बेहद घटिया स्तर पर लगाया गया था। सीएमओ साहू ने एक पल की भी देरी नहीं की – उन्होंने खुद ही दीवार की ईंटें निकालकर सड़क पर फेंकनी शुरू कर दीं। साथ खड़े मिस्त्री को कड़ी फटकार लगाई और निर्माण में लापरवाही पर तीखी नाराजगी जताई। मौके पर ही ठेकेदार को फोन कर सख्त लहजे में कहा – ÷अगर दोबारा इस तरह की लापरवाही मिली, तो ठेका रद्द कर दूंगा।

नपा की मुहिम, जर्जर शौचालयों को मिल रहा नया रूप

इन दिनों नगर पालिका द्वारा शहर में जर्जर प्रसाधनों के जीर्णोद्धार का अभियान चलाया जा रहा है। यह काम नपाध्यक्ष मनमोहन साहू की अगुवाई में शहर को साफ-सुथरा और सुविधाजनक बनाने की दिशा में उठाया गया अहम कदम है।

जनता को संदेश, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

सीएमओ साहू का यह स्पष्ट संदेश नगर के तमाम ठेकेदारों और कर्मचारियों तक पहुंच चुका है ÷जो भी काम करेगा, वह गुणवत्ता से करेगा, नहीं तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। नगर प्रशासन की इस सख्ती को नागरिकों ने भी सराहा है, और उम्मीद जताई है कि इसी तरह पारदर्शिता और जवाबदेही से नगर का कायाकल्प होगा।

विधायक के निर्देश पर बन रहा आधुनिक टॉयलेट कॉम्प्लेक्स

व्यापारी संगठनों की वर्षों पुरानी मांग और विधायक के निर्देश पर घेतल गली में हाईटेक टॉयलेट कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू हो चुका है। इसमें महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग आधुनिक सुविधाएं रहेंगी। नगर पालिका द्वारा किए जा रहे इन सुधार कार्यों ने न केवल व्यवस्था में कसावट लाई है, बल्कि आम नागरिकों में भी साफ-सफाई को लेकर जागरूकता और विश्वास पैदा किया है।

जबेरा में विशाल रक्तदान शिविर रक्तदान महादान की भावना को बढ़ावा देने का एक सफल आयोजन

दमोह। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बातानुकूलित वैन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर 22 लोगों ने रक्तदान किया इस शिविर में डॉ. रवि यादव ने सबसे पहले रक्तदान करके लोगों को जागरूक किया। बीएमओ डॉ. डी.के राय ने बताया कि जिला कलेक्टर और मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था इसका उद्देश्य रक्त की कमी को पूरा करना था खासकर दो हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं के लिए जिन्हें रक्त का ट्रांसप्लांट किया गया है, इस शिविर में रक्तदान करने वालों में शामिल हैं। सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन ने रक्तदान करने वाले युवाओं का धन्यवाद किया और कहा कि रक्तदान महादान होता है। इस तरह के आयोजन समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में बीएमओ डॉ. डी.के राय, लैब टेक्नीशियन डॉ. अशोक आर्य, पुरुषोत्तम गर्ग सहित स्टॉप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पटेरा जनपद कार्यालय में तोड़फोड़ के विरोध ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की

दमोह। पटेरा जनपद कार्यालय में की गई तोड़फोड़ के विरोध में कलेक्टर, मुख्य कार्यपालिका अधिकारी जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक दमोह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपकर कार्रवाई की मांग की कार्रवाई जल्द से जल्द न होने पर कलम बंद हड़ताल की जाएगी

दमोह विगत दिवस पटेरा जनपद पंचायत कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी के चेंबर में राजेश पटेल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पटेरा, जगल कर्मी एवं अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा कार्यालय में तोडफोड करने शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं शासकीय सम्पत्ति क्षतिग्रस्त करने के संबंध में एक शिकायती आवेदन दिया गया। आवेदन पत्र में लेख है की कार्यालय जनपद पंचायत पटेरा में राजेश पटेल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पटेरा, जुगल कर्मी एवं अन्य असामाजिक तत्वों द्वारा कार्यालय में जाकर मां-बहन की गालियां देते हुए तोड़-फोड की गई शासकीय रिकार्ड फाड दिये गये एवं कार्यालय में उपस्थित कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी गई एवं मुख्य कार्यपालन

अधिकारी कक्ष में रखी हुयी बैटरी एवं शासकीय रिकार्ड को ले गये। राजेश पटेल एवं अन्य द्वारा की गई गुंडागर्दी एवं तोड-फोड से शासकीय कार्य में बाधा हुई एवं कर्मचारियों के बीच डर का माहौल हो गया है। उपरोक्त घटना के संबंध में थाना पटेरा जिला दमोह में दिनांक 18.07.2025 को प्रथम सूचना रिपोर्ट भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत धारा 191(2), 190, 132, 324). 296. 351(2) सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण 1984 धारा 3 एवं 5 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। अतः महोदय से अनुरोध है कि संबंधित अपराधियों के विरूद्ध शीघ्र कार्यवाही करते हुये गिरफ?तारी की जायें अन्यथा की स्थिति में हम सभी संगठन के सदस्य इस भय के माहौल में कार्य करने में असमर्थ रहेगें एवं कलम बंद हडताल करेगें।

प्रादेशिक सम्मेलन जानापाव में शामिल हुए समाजजन

सम्मेलन में जिले के युवाओं को मिला संगठन का दायित्व

शाजापुर । सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा एवं युवा अध्यक्ष पंडित भूपेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में रविवार को राज राजेश्वरी मंदिर से बड़ी संख्या में पूजा अर्चना कर जानापाव के लिए सर्व ब्राह्मण समाज के विशाल ब्रह्म समागम में उपस्थित होने वाहन रैली से निकले । सर्व ब्राह्मण समाज की एकता, सुरक्षा और सामाजिक उत्थान को लेकर रविवार को भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली जानापाव(महू इंदौर) में प्रादेशिक सर्व ब्राह्मण समाज का सम्मेलन आयोजित किया गया जागो ब्राह्मण जागो यात्रा के नाम से आयोजित सम्मेलन में प्रदेश भर के ब्राह्मणजनो ने बड़ी संख्या में शामिल होकर सम्मेलन का उद्देश्य समाज की ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा कर एक सशक्त के समाधान प्रस्तुत करना है यह आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज उज्जैन और संपूर्ण ब्रह्म शक्ति मध्य प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। भगवान श्री परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र चतुर्वेदी, परशुराम कल्याण बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विष्णु प्रसाद राजोरिया ,परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गौरव शुक्ला व विधायक उषा ठाकुर

उपस्थित थी । इस अवसर पर नगरपालिका परिषद उपाध्यक्ष पंडित संतोष जोशी, भाजपा जिला महामंत्री पंडित दिनेश शर्मा, पार्षद पंडित मुकेश दुबे, नागर ब्राह्मण समाज के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष पंडित राजेन्द्र नागर, गौरक्षा प्रमुख पंडित धर्मेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थें भगवान श्री परशुराम भगवान की जन्मस्थली में आयोजित प्रादेशिक सम्मेलन में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र चतुर्वेदी, भगवान श्री परशुराम कल्याण बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विष्णु प्रसाद राजोरिया, भगवान श्री परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गौरव शुक्ला की अनुशंसा से शाजापुर में पंडित महेंद्र आचार्य को अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की प्रदेश समन्वय समिति का सदस्य, पंडित राजीव व्यास को भगवान श्री परशुराम कल्याण बोर्ड शाजापुर का अध्यक्ष, पंडित नीरज द्विवेदी को भगवान श्री परशुराम सेना शाजापुर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इन पदाधिकारियों को मनोनीत किये जाने पर शुभचिंतकों ने बधाई दी।

आबकारी विभाग मंडला की अवैध शराब के विरुद्ध की गई कार्यवाही

मंडला। नशे दुरी है जरूरी अभियान के तहत जिले को नशामुक्त बनाए जाने की हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं जिसके चलते जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मण्डला जिले में वृत नैनपुर में भालीवाड़ा एवं सूबेवाड़ा में दबिश की कार्यवाही की गई। इस दौरान 3 प्रकरण पंजीबद्ध किये गए जिसमें 36 पाव एमडी रम और 15 पाव गोवा जप्त किया गया तथा 15 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त किया गया।

ऊर्जा मंत्री तोमर, एमडी सिंघल सहित कंपनी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के घर लगा स्मार्ट मीटर

3 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगे

भोपाल। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल सहित कंपनी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के परिसर में कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिय गया है। जिन अधिकारियों के घरों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, उनमें पीडीटीसी के निदेशक अनिल खत्री, महाप्रबंधक प्रशासन एवं पीजीआर संपूर्णानंद शुक्ला, उप मुख्य महाप्रबंधक सतर्कता आरएनएस ठाकुर, महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) सी.के.पवार, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी राजेश यादव सहित अनेक अधिकारियों के यहां स्मार्ट मीटर लगाए हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे स्मार्ट मीटर के फायदों को देखते हुए अपने घरों में स्मार्ट मीटर जरूर लगवाएं। गौरतलब है कि कंपनी के सभी 16 जिलों में उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। अब तक कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 03 लाख, 03 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में 01 लाख, 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं।

दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट

नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। जून माह का बिल जो कि जुलाई माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को मिल रही है।

घरेलू स्मार्ट मीटर के फायदे

1. ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है।
2. बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।
3. एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं।
4. ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं।
5. ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है।
6. ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।
7. ऊर्जा की खपत को नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद कर सकता है।

सांसद, महापौर, विधायक और बीसीसीआई अध्यक्ष ने शिरकत कर वस्त्र व्यवसायी संघ के कार्यक्रम को बनाया यादगार

भोपाल। फेडरेशन ऑफ राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ भोपाल ने भाग दौड़ भरी जिंदगी और व्यस्तत कामकाज के बीच एक-दूसरे के साथ जुडने, आपसी बंधन को मजबूत करने करना और यादगार पल संयोजने के लिहाज संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों के लिए एक विशेष कार्यक्रम एक दिन अपनों के संग आयोजित कार्यक्रम में सांसद आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने शिरकत की। इस मौके पर वस्त्र व्यवसायी संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी सदस्य अपने परिवार के साथ मौजूद हुए।

फेडरेशन ऑफ राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ के अध्यक्ष श्यामबाबू अग्रवाल, महामंत्री राजेश गर्ग, उपाध्यक्ष सुमित गर्ग दीपाली और कोषाध्यक्ष गौरव जैन ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन राजधानी के बैरागढ़ रोड स्थित आकाश रिट्रीट में आयोजित हुआ। संघ के अध्यक्ष श्यामबाबू अग्रवाल ने बताया कि एक दिन अपनों के संग इस कार्यक्रम में सभी ने अपने परिवार और दोस्तों को एक दिन दिया। मौज-मस्ती करते हैं और एक-दूसरे के साथ जुड़े। कार्यक्रम एक यादगार लम्हों को समेटे हुए नजर आया।

अमेजन इंडिया का प्राइम डे 2025 अबतक का सबसे ज्यादा, खरीदारी वाला प्राइम डे इवेंट बन गया

बेंगलुरु, एजेंसी। इस साल प्राइम डे पर अधिक सदस्यों ने पिछले किसी भी प्राइम डे इवेंट की तुलना में अधिक खरीदारी की। इस साल का प्राइम डे इवेंट पिछले प्राइम डे इवेंट से बड़ा था, जिसमें रिकॉर्ड बिक्री और तीन दिनों में अधिक आइटम बिके। विशेष रूप से, इवेंट से पहले 70त्न नए प्राइम साइन-अप टियर 2 और 3 शहरों और कस्बों से आए। प्राइम डे 2025 भारत भर में छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए भी शानदार सफलता थी। प्राइम डे 2025 के दौरान बिक्री प्राप्त करने वाले ी संख्या अब तक की सबसे अधिक थी, जो पिछले साल की तुलना में 30त्न अधिक थी। प्राइम डे 2025 के दौरान बिक्री प्राप्त करने वाले छोटे और मध्यम व्यवसायों की संख्या सभी संस्करणों में अब तक की सबसे अधिक रही। इसके अलावा, इस आयोजन में भाग लेने वाले 68 फीसद से अधिक एसएमबी टियर 2-3 शहरों और उससे आगे के क्षेत्रों से थे। अक्षय साही, हेड ऑफ अमेजन प्राइम, डिलीवरी और रिटर्न्स एक्सपीरियंस, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स ने कहा, ÷हम अपने विक्रेताओं, ब्रांड्स और बैंक पार्टनर्स को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्राइम डे देने में हमारी मदद की। प्राइम मेंबर्स ने पिछले किसी भी प्राइम डे खरीदारी आयोजन की तुलना में अधिक वस्तुओं की खरीदारी की, जबकि हमने सबसे अधिक सेम-डे डिलीवरी के साथ स?पीड के नए रिकॉर्ड बनाए। हमें अपने ग्राहकों को बड़ी बचत करने में मदद करना पसंद है, और प्राइम डे प्राइम मेंबर्स द्वारा प्रदान किए जाने वाले मूल्य, तेज डिलीवरी, शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन का अंतिम उत्सव है।÷

आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह 2025 में 423 स्नातकों को सम्मानित किया गया

जयपुर, एजेंसी। मुख्य अतिथि राजस्थान के माननीय राज्यपाल, श्री हरिभाऊ किशनराव बागड़े ने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सभी चार छात्र छात्राएँ थीं। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों से अनुरोध किया कि वे पिछले दो वर्षों में अर्जित ज्ञान और कौशल को राष्ट्र निर्माण के नेक कार्य में लगाएँ। मैं यह भी सुझाव देता हूँ कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ सहयोग करें। पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान को एकीकृत करके, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब प्रदर्शित करते हुए, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय का वार्षिक दीक्षांत समारोह एक मील का पत्थर साबित हुआ, जिसमें 58त्न स्नातक महिलाएँ थीं, जो स्वास्थ्य सेवा शिक्षा में प्रगति का एक मजबूत संकेत है। गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों का स्वागत करते हुए, आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. पीआर सोडानी ने कहा, मैं अपने स्नातक छात्रों को हार्दिक बधाई देता हूँ। 423 स्नातक छात्रों में से 247 महिलाएँ थीं, जिनमें 176 पुरुष छात्र थे। हमेशा याद रखें कि आप आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के राजदूत हैं। आप जहाँ भी जाएँ, शिक्षा, नवाचार और प्रभावशाली अनुसंधान में उत्कृष्टता की हमारी विरासत को साथ लेकर जाएँ। स्नातक छात्रों के लिए मेरा मुख्य संदेश है कि वे ईमानदारी से नेतृत्व करें और करुणा के साथ सेवा करें। विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के लिए भारत सरकार, राजस्थान सरकार और अन्य राज्य सरकारों के लिए विभिन्न अध्ययन किए। डॉ. सोडानी ने कहा, इस वर्ष का प्लेसमेंट सीज़न विश्वविद्यालय के लिए एक और मील का पत्थर साबित हुआ। उच्चतम पैकेज 28.56 एलपीए रहा, जिसमें 11 छात्रों ने संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, इंडोनेशिया और कांगो में अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट हासिल किया, डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, औषधि महानियंत्रक, भारत ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा, भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा मूल्य श्रृंखला का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा की

मुंबई/जयपुर, एजेंसी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में ऋण वृद्धि धीमी रही और बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कटौती का लाभ पहुँचाने के कारण शुद्ध ब्याज मार्जिन में कमी आने लगी। आरबीआई ने नीतिगत दरों में कुल मिलाकर 100 आधार अंकों की कटौती की है, जिससे नीतिगत माहौल अनुकूल है और अतिरिक्त तरलता के साथ-साथ आगामी सीआरआर कटौती से जमा वृद्धि में और बढ़ोतरी और वित्तपोषण लागत में कमी आने की उम्मीद है। हालाँकि, जियो-पॉलिटिक्स और घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियों में कमजोरी समग्र बाजार धारणा पर दबाव बना रही हैं। चुनौतियों और पहली तिमाही के मौसमी रूप से कमज़ोर रहने के बावजूद एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने वित्तीय वर्ष की स्थिर शुरुआत के साथ सभी व्यावसायिक मापदंडों में एक समान प्रदर्शन किया। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक, एमडी और सीईओ, संजय अग्रवाल ने परफॉर्मेंस पर टिप्पणी करते हुए कहा, भारत की अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। एक ओर, नीतिगत माहौल अनुकूल हो गया है–मुद्रास्फीति में कमी, अतिरिक्त तरलता, आगामी सीआरआर कटौती, राजकोषीय विवेकशीलता बनाए रखने और अच्छे मानसून की उम्मीदों के साथ और भी स्थिति सुधरेगी। दूसरी ओर, आर्थिक गति असमान बनी हुई है, और विभिन्न क्षेत्रों में मांग में सुधार के संकेत अभी भी दिखाई दे रहे हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता जोखिम पैदा करती रहती है, लेकिन भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था एक मजबूत संतुलन प्रदान करती है।

नव संकल्प शिविर

भोपाल। आज धार जिले के मांडू में चल रहे नव संकल्प शिविर के दूसरे दिन कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं विधायक दल ने एक साथ सामूहिक फोटो खिंचवाकर संगठन की मजबूती और साझा संकल्प का संदेश दिया।यह तस्वीर कांग्रेस के संगठनात्मक मजबूती, टीम भावना और आगामी रणनीतियों को दर्शाती है। इस नव संकल्प शिविर से पार्टी में नए उत्साह का संचार हुआ।

भोपाल। ई3 अरेना कॉलोनी भोपाल के पार्क में वृक्षारोपण करते हुए पूर्व पार्षद मोनू गोहल के साथ मोहल्ले के वरिष्ठ निवासी जगदीश कौशल और मोहल्ला विकास समिति के सचिव अविनाश बुरबुरे।

बैंकिंग शेयरों में तेजी से लौटा शेयर बाजार, शुरुआती कारोबार में दिखी तेजी

मुंबई, एजेंसी। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने मंगलवार को दिन की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की। इटरनल और ब्लू-चिप बैंक शेयरों में तेजी की वजह से शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ी। एशियाई बाजारों में व्यापक रूप से मजबूत रुख ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान शेयर बाजारों को रफ्तार दी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 337.83 अंक चढ़कर 82,538.17 पर पहुंच गया। ऐसे ही 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 91.3 अंक बढ़कर 25,182 पर पहुंचा।

सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल 10 फीसदी उछलकर 298.30 रुपये के अपने ऊपरी सर्किट स्तर तक पहुंच गया। जोमैटो और ब्लिंकिट ब्रांडों के स्वामित्व वाली फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी इटरनल ने सोमवार को जून तिमाही के लिए 25 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ कमाया। क्विक कॉमर्स और गोइंग-आउट व्यवसायों में निरंतर निवेश के कारण इसके मुनाफे पर असर पड़ा। ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टाइटन, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज भी फायदे में रहीं। हालांकि, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा पिछड़ते नजर आए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,681.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,578.43 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे।

स्व.आईपीएस मनीष शंकर शर्मा की स्मृति में बीएसएसएस कॉलेज में बरगद रोपण व इनक्यूबेशन सेल का शुभारंभ

भोपाल। बीएसएसएस कॉलेज भोपाल में शनिवार को मध्यप्रदेश पुलिस के दिवंगत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मनीष शंकर शर्मा की स्मृति में एक प्रेरणास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व मुख्य सचिव के एस शर्मा एवं एमएसएस सपोर्ट फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि होंगे कैलाश मकवाना पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश तथा मुख्य वक्ता के रूप में हुए शामिल। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन जो राष्ट्रीय और वैश्विक रणनीतिक विषयों पर विशेषज्ञ माने जाते हैं। इस भावपूर्ण अवसर पर स्व. मनीष शर्मा की स्मृति में एक बरगद के पौधे का रोपण किया गया, जो उनकी दूरदर्शिता, स्थायित्व और सेवा भावना का प्रतीक रहेगा। आईपीएस मनीष एस शर्मा मेमोरियल बीएसएसएस इनक्यूबेशन सेल का औपचारिक शुभारंभ, जिसका उद्देश्य नवाचार, स्टार्टअप एवं युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करना है। यह इनक्यूबेशन सेल विद्यार्थियों को तकनीकी मार्गदर्शन, उद्यमशीलता सहयोग और व्यावसायिक परामर्श प्रदान करेगा। के एस शर्मा ने इस पहल के समर्थन में कॉलेज को 5 लाख की सहयोग राशि प्रदान करते हुए छात्रों के समग्र विकास के लिए संस्थागत प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में स्व. मनीष शर्मा के जीवन, सेवाभाव और प्रशासनिक दृष्टिकोण को स्मरण करते हुए उपस्थित जनों ने युवा सशक्तीकरण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौताः दोनों देश 24 जुलाई को लगाएंगे मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल मौजूद रहेंगे। दिल्ली में ब्रिटेन उच्चायोग की एक अधिकारी ने बताया कि समझौता होने के बाद दोनों देशों के व्यापार में सालाना 25.5 अरब पाउंड (2.97 लाख करोड़ रुपये) का उछाल आने की उम्मीद है। दोनों देशों ने इसी वर्ष 6 मई को एफटीए वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। व्यापार समझौते में श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे चमड़ा, जूते और कपड़ों के निर्यात पर कर हटाने, जबकि ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता करने का प्रस्ताव है।

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी संघ का कार्यकारिणी का विस्तार

रायसेन। रायसेन में मध्य प्रदेश विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी संघ ने औपचारिक रूप से अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है, जिसमें नए चेहरों को शामिल किया गया है और अपने मूल मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है 7मध्यप्रदेश विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष इंजिनियर सूर्यदेव जयसिंह जी के अनुमोद अनुसार संविधान की कडिका 27-28 के परिपालन में जिला रायसेन की कार्यकारिणी का गठन एवं नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकारी सदस्यों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन वृत्त कार्यालय रायसेन में किया गया।

संघ के संस्थापक एम. एल. शाक्या एवं डी.जी.एम. पराग धावर्डे द्वारा बाबा साहब एवं बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित एवं पुष्पहार अर्पित करते हुए वंदन किया गया। तत्पश्चात संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन मनमोहन पनिका प्रांतीय संगठन सचिव द्वारा कराया गया एवं क्रमशः जिला रायसेन के नवीन कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराया गया। मंच का संचालन प्रेम सूर्यवंशी क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य द्वारा किया गया। संगठन के मार्गदर्शक पराग धरवड़े , उप महाप्रबंधक, रायसेन ने सभी जिला पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से पालन करने हेतु मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर सत्यशील भिमटे प्रांतीय सचिव द्वारा हर घर अम्बेडकर पुस्तक का निःशुल्क वितरण कराया गया।

सांची दूध और दूध उत्पाद अब उत्तरप्रदेश में भी विक्रय के लिए पहुंचा

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार एवं राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के मध्य हुए सहकार्यता अनुबंध के बाद तीन माह के भीतर सांची दूध और दूध उत्पाद उत्तरप्रदेश में भी विक्रय के लिए पहुंच चुका है। बताया जाता है कि सांची दूध और दूध उत्पद की मांग मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में सर्वाधिक हो रही है। जानकारी के अनुसार एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध बुंदेलखण्ड दुग्ध संघ सागर कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए महोबा उत्तरप्रदेश में सांची दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विक्रय के आउटलेट का प्रारंभ 21 जुलाई 2025 से किया गया है। जिसका उद्घाटन बुंदेलखण्ड दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय कुमार यादव ने फीता काटकर किया है। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध बुंदेलखण्ड दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दर में फिर से एक बार वृद्धि की गई है, दुग्ध उत्पादकों से रूपए 820 प्रति किग्रा फैट से दूध क्रय करने का निर्णय लिया गया है, जो 21 जुलाई 2025 से प्रभावशील हो गया है। संघ अंतर्गत दुग्ध उत्पादकों को नियत तिथियों 05 तारीख, 15 तारीख और 25 तारीख में अनिवार्य रूप से भुगतान भी किया जा रहा है। संघ द्वारा दूध क्रय दर में वृद्धि करने एवं निर्धारित तिथियों में भुगतान अनिवार्य करने पर दुग्ध उत्पादकों में खुशियों की लहर दौडने लगी है। बुंदेलखण्ड दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय कुमार यादव ने बताया कि इस वृद्धि का प्रत्यक्ष लाभ सभी पशुपालकों को भी मिल सकेगा।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपीसीडीएफ एवं दुग्ध संघों का प्रबंधन एवं संचालन हाथ में लेने के बाद उपलब्धियां

- साँची ब्राण्ड की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिये ग्वालियर तथा जबलपुर दुग्ध संघों के दुग्ध उत्पादकों की लंबित राशियों का भुगतान किया गया। इसके परिणाम स्वरूप ग्वालियर दुग्ध संघ और जबलपुर दुग्ध संघ का दुग्ध संकलन बढा है।

-दुग्ध संघों द्वारा दूध खरीद मूल्यों में वृद्धि की गई।

-दुग्ध उत्पादकों को दूध मूल्य का भुगतान महीने की 5 तारीख, 15 तारीख और 25 तारीख को निर्धारित किया गया।

-दुग्ध संघों में नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया जिनके माध्यम से दुग्ध उत्पादको को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया।

-एमपीसीडीएफ तथा सहकारी दुग्ध संघों की गतिविधियों के एण्ड टू एण्ड डिजीटाईजेशन की ओर कदम बढ़ाते हुए दुग्ध संघों में ईआरपी क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया।

-इंदौर दुग्ध संघ से मोबाइल एप प्रारंभ किया गया है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में नहीं हो रही अनुकम्पा नियुक्ति

छिंदवाड़ा। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। बैंक के कुछ कर्मचारियों मृत्यु हो गई है उनके स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ती होना जरूरी है। किन्तु एक वर्ष से ज्यादा हो गया उनकी अनुकम्पा नियुक्त नहीं हुई है, कर्मचारियों के परिवार ने कलेक्टर से मांग की है कि अनुकम्पा नियुक्ती हेतु निर्देश दें। जिनकी मृत्यु हुई है उनके नाम है रघुनाथ घोरसे हेमन्त ठाकुर एवं एम.डी.ढोके है। अनुकम्पा नियुक्ति न होने से इनका परिवार भूखमरी से झूझ रहा है।

महापौर ने खजरीं गौशाला का भ्रमण कर पौधरोपण किया

छिंदवाड़ा। श्री शक्ति ट्रस्ट एवं संस्कृत पुस्तकोउन्नति सभा द्वारा संचालित सन्त आशाराम गौशाला का नगर पालिक निगम महापौर विक्रम आहाके ने भ्रमण कर पौधारोपण किया। इस अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि इस गौशाला में लगभग 850 गाय निवासरत हैं। जिसमें से लगभग 600 गायें कत्ल खाने से बचाई गई पुलिस अभिरक्षा की हैं। जिनको नया जीवन देने का सफल प्रयास किया गया है। यह गोशाला म.प्र. की आदर्श गौशाला है। दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्मानित कर चुकें हैं। समय-समय पर आई. ए. एस. (कलेक्टर) प्रशिक्षु यहाँ आते रहें हैं। आसपास के जिलों के पशुपालक और कृषक यहाँ गौशाला और जैविक खेती के गुर सीखने आतें हैं। शास्त्रों में आता हैं - गायों में 33 कोटि देवताओं का निवास होता हैं। गाय समस्त मानवजाति के लिए वरदान है। महापौर विक्रम आहाके ,निगम के कदावर नेता मनोज सक्सेना ने गायों के रखरखाव पर प्रसन्नता जाहिर की । उनके चारा और अनाज की व्यवस्थित व्यस्था को देखा। जैविक खेती का सुंदर नाजारा के साथ गोबर गैस प्लांट , सोलर इलेक्ट्रिक सिटी सिस्टम 350 किलोवाट का देख कर अभिभूत हुए । गौशाला प्रबंधन द्वारा सोलर पैनल से प्रतिदिन लगभग 200 यूनिट बिजली सरकार को मुफ्त दी जा रही है । उधर गुरुकुल में भी व्यापक स्तर पर पौधा रोपण सम्पन्न हुआ ।

अभिषेक वर्मा मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स के जिला अध्यक्ष बने

छिंदवाड़ा। भारतीय पैरा ओलंपिक समिति से सम्बद्ध संस्था, मध्यप्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.विवेक सिंह परिहार ने पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन छिंदवाड़ा के अध्यक्ष पद पर अभिषेक वर्मा को नियुक्त किया है एवं सचिव पद पर प्रशांत बालू घोंघे को नियुक्त किया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर अभिषेक वर्मा ने कहा कि शीघ्र ही जिले में नई कार्यकारिणी घोषित की जायेगी अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जायेगा ,उन्होंने बताया कि पैरा ओलंपिक एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें खेल गतिविधियों से जोड़ते हुये राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में खेलने के अवसर प्रदान करना है।विकलांग खिलाड़ियों के लिये समय समय पर पैरा ओलंपिक का आयोजन भी किया जाता है जिसके परिणाम स्वरूप गत वर्ष आयोजित हुये पैरा ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था,इसी को ध्यान में रखते हुये एमपी पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने प्रदेश के सभी जिलों में अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है इसी क्रम में छिंदवाड़ा जिले में अध्यक्ष पद पर अभिषेक वर्मा की नियुक्ति की गई है।अगले महीने भोपाल में राज्य स्तरीय पैरा स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें पूरे प्रदेश के दिव्यांग खिलाड़ी शामिल होंगे।

जेई पर नौकरी लगाने के लिए 35 हजार लेने का आरोप

छिंदवाड़ा। एमपीईबी के चांद डिवीजन के जे ई ओम प्रकाश पटेल ने सहकर्मी लाईनमेन के साथ मिलकर आनंद मालवीय को आउटसोर्स में नौकरी पर लगाने के लिए 35 हजार रुपए लिए, कुछ दिन काम कराया और उसके बाद उसे भद्दी भद्दी गालियां देकर नौकरी से निकाल दिया। जेई पटेल ने पीड़ित आउटसोर्सकर्मी आनंद मालवीय को मोबाईल पर मारने, पीटने की धमदियां दी, भद्दी-भद्दी गालियां दीं,जिसका आडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कलेक्ट्रेट पहुंचकर आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने पीड़ित कर्मचारी आनंद मालवीय, मीटर वाचक संघ के अध्यक्ष किरण कुमार बंशगोतिया, राजेश कुमार वर्मा, उमेश दुबे, कुबेर साहू, अंबर साहू, नयन चौरे सहित दर्जनों कर्मचारी नेताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर अधिकारियों को जेई पटेल और पीड़ित कर्मचारी की बातचीत का आडियो सुनाया और ज्ञापन देकर जेई पटेल को निलंबित कर पीड़ित आउटसोर्स कर्मचारी को नौकरी पर वापस लेने की मांग की।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में अनियमितताओं की जांच की मांग

परासिया। छिंदवाड़ा जिले के परासिया में 13 अप्रैल 2025 को आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह एवं निकाह योजना में कथित रूप से हुई अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की उच्च-स्तरीय जांच की मांग जोर पकड़ रही है। इस मामले में जनपद पंचायत परासिया अध्यक्ष श्रीमती आशा आम्रवंशी ने आज जिला कलेक्टर श्री शैलेंद्र सिंह को एक लिखित आवेदन सौंपा है, जिसमें तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के माध्यम से इन गंभीर अनियमितताओं की जानकारी सामने आने के बाद, श्रीमती आम्रवंशी ने कलेक्टर महोदय से अनुरोध किया है कि दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की धोखाधड़ी न केवल सार्वजनिक धन का दुरुपयोग है।

यूरिया के लिए कृषि उपज मंडी में उमड़ी किसानों की भीड़

व्यवस्था बनाने में प्रशासन को होना पड़ रहा परेशान

छिंदवाड़ा। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही छिंदवाड़ा जिले में यूरिया की आपूर्ति शुरू हो गई है। बीते दो दिनों में इफको एवं आईपीएल कंपनियों की दो रेको के माध्यम से 4100 मीट्रिक टन यूरिया जिले में पहुंच चुका है, जिसका वितरण मार्कफेड गोदामों, प्राथमिक सहकारी समितियों और चिन्हित निजी विक्रेताओं के माध्यम से किया जा रहा है। पूरे जिले में तेज़ गति से यूरिया वितरण प्रारंभ किया गया। इस दौरान अमरवाड़ा कृषि उपज मंडी प्रांगण में यूरिया लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे प्रशासन को व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई का सामना करना पड़ा।इधर, ब्रह्मपुत्र और चंबल कंपनियों की दो अन्य रेकें भी छिंदवाड़ा पहुंच चुकी हैं, जिनसे अगले एक-दो दिनों में अतिरिक्त 3000 मीट्रिक टन यूरिया जिले में वितरित किया जाएगा।कलेक्टर शीलेंद्र सिंह स्वयं प्रतिदिन यूरिया की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सभी एसडीएम, कृषि विभाग, मार्कफेड और सहकारिता विभाग को निर्देश दिए हैं कि खाद का वितरण नियमबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप से किया जाए, ताकि कोई भी किसान वंचित न रहे। प्रशासन ने यह भी तय किया है कि अब निजी विक्रेताओं के माध्यम से होने वाला यूरिया वितरण कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में होगा। इसका उद्देश्य कालाबाज़ारी, टैगिंग और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकना है।

टैगिंग और कालाबाज़ारी पर सख्त चेतावनी-प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई विक्रेता शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर यूरिया बेचते हुए या अन्य वस्तुओं के साथ जबरन बिक्री (टैगिंग) करते हुए पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में विक्रेताओं का लाइसेंस रद्द या निलंबित किया जा सकता है। प्रशासन की किसानों से अपील-किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे केवल अपनी तात्कालिक जरूरत के अनुसार ही यूरिया लें और अनावश्यक भंडारण से बचें, ताकि सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके। जिला प्रशासन ने यह भी बताया है कि खरीफ सीजन में किसी प्रकार की खाद की किल्लत न हो, इसके लिए निरंतर रेक मंगवाने की प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य है कि कृषकगण निरंतर और निर्बाध रूप से खेती कर सकें और उत्पादन में कोई रुकावट न आए।

चलाया जा रहा नशे से दूरी जरूरी अभियान

छात्र-छात्राओं को पेंटिग, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता से नशा न करने किया जागरुक

छिंदवाड़ा। जिला छिंदवाड़ा में पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रदेश स्तरीय 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 21 जुलाई 2025 को जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र के स्कूल कॉलेज में जाकर छात्र-छात्राओं द्वार चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर उनके माता पिता को भी सम्मिलित कर जागरूक किया गया जिला छिंदवाड़ा में आयोजित किए गये कार्यक्रमों की जानकारी इस प्रकार है थाना उमरेठ -थानाउमरेठ अंतर्गत सनलाइट कॉन्वेंट स्कूल में जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर उनके माता पिता को सम्मिलित कर जागरूक किया गया ,थाना प्रभारी के द्वारा आम जन को मानस हेल्पलाइन एवं मनहित एप के बारे में जानकारी देकर नशे से दूर रहने की अपील की गई। इंटरनेशनल ईश्वरी स्कूल में थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस स्टाफ के द्वारा स्कूल जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर उनके माता पिता को भी सम्मिलित कर जागरूक किया गया एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाकर टोल फ्री नंबर्स की जानकारी दी गई। थाना दमुआ अंतर्गत थाना प्रभारी प्रमोद सिंह सिरसाम के द्वारा आईपीएस स्कूल दमुआ मैं जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया एवं नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाकर टोल फ्री नंबर के संबंध में जानकारी दी गई। थाना चांद अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के संबंध में जागरूक किया गया एवं मानस हेल्पलाइन के संबंध में जानकारी दी गई। थाना परासिया अंतर्गत थाना प्रभारी संजय भलावी के द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खिरसाडोह जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के संबंध में जागरूक किया गया।थाना बिछुआ अंतर्गत ग्राम बिछुआ में सरस्वती शिशु मंदिर तथा शाशकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जाकर छात्र-छात्राओं के मध्य चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर एवं उनके माता पिता को भी सम्मिलित कर जागरूक किया गया थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले के द्वारा मानस हेल्पलाइन एवं टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई थाना हर्रई अंतर्गत ,बालक छात्रावास में चित्रकला निबंध पेंटिंग रंगोली पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर मानस हेल्पलाइन एवं टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई । इसी प्रकार जिला छिंदवाड़ा के समस्त थाना क्षेत्र में स्थानीय थाना प्रभारी के द्वारा नशा मुक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं स्कूल कॉलेज में निबंध पेंटिंग की प्रतियोगिता कराई जाकर आम जनों को नशे से दूर रहने के संबंध में समझाइए दी गई है।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों निराकरण पर छिंदवाड़ा ए ग्रेड के साथ प्रदेश के टॉप 10 में पुनः शामिल

छिन्दवाड़ा। राज्य स्तर से सोमवार को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में माह जून 2025 की ग्रेडिंग जारी की गई, जिसमें छिंदवाड़ा जिला पुनः ए ग्रेड के साथ प्रदेश के टॉप 10 जिलों में शामिल हुआ है। कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई सतत मॉनीटरिंग और जिला स्तरीय समाधान ऑनलाइन के नवाचार के फलस्वरूप 83.40 प्रतिशत वेटेज स्कोर और ए ग्रेड के साथ जिले ने यह उपलब्धि फिर से हासिल की है।कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की स्वयं नियमित समीक्षा की जा रही है। उनके द्वारा जिले में सीएम समाधान ऑनलाइन की तर्ज पर जिला स्तरीय समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से विभागवार शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा कर समयबद्ध और संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। वे प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों की बैठक लेकर स्वयं प्रकरणों की प्रगति पर नजर रखते हैं और लापरवाही पर त्वरित कार्रवाई भी की जाती है। जून माह की रैंकिंग में नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा ने 95.88 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड, छिंदवाड़ा पुलिस ने 91.28 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड, तथा जिला पंचायत छिंदवाड़ा ने 85.31 प्रतिशत वेटेज स्कोर के साथ प्रदेश में ए ग्रेड में स्थान हासिल किया है।

कलेक्टर सिंह ने पुलिस अधीक्षक श्री अजय पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, नगर निगम आयुक्त श्री सी.पी.राय सहित %ए% ग्रेड प्राप्त करने वाले विभागों के अधिकारियों एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रभारी अधिकारी राहुल कुमार पटेल को बधाई दी है और आगे इसे बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बी और सी ग्रेड प्राप्त करने वाले विभागों को स्थिति में सुधार करने, जबकि डी ग्रेड वाले विभागों को कड़ी मेहनत और समयबद्ध निराकरण के लिए सख्त हिदायत दी है।

हरियाली तीज और पारिवारिक सौहार्द्र का अनुपम संगम बना वैश्य महासम्मेलन

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन की जिला इकाई छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित हरियाली तीज एवं परिवार पिकनिक कार्यक्रम न केवल एक सामाजिक मिलन का अवसर बना बल्कि भारतीय संस्कृति पारिवारिक सौहार्द और समाज सेवा की भावना का भी सशक्त प्रदर्शन हुआ स्थानीय अग्रवाल पैलेस में आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों महिलाओं और बच्चों ने सहभागिता कर आयोजन को उल्लास से भर दिया ।

कार्यक्रम का एक विशेष और भावनात्मक क्षण तब आया जब वैश्य महासम्मेलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अग्रवाल पैलेस भवन निर्माण में उल्लेखनीय भूमिका अदा करने वाले वैश्य विभूति श्री सुरेश अग्रवाल को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया यह सम्मान केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि समाज सेवा की उन भावनाओं को समर्पित था जो बिना अपेक्षा के समाज निर्माण में लगी रहती है इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी ने कहा कि श्री अग्रवाल द्वारा यह निर्मित भवन केवल ईंट और पत्थरों का ढांचा नहीं है बल्कि यह समाज की एकता, दृढ़ता और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है यह स्थान भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेगा उन्होंने यह भी कहा कि श्री अग्रवाल से प्रेरणा लेकर शहर के मध्य में वैश्य समाज के उपयोग हेतु एक सर्वसुविधा युक्त भवन 12000 वर्ग फुट में निर्मित करने की योजना भी बनाई गई है। प्रकृति की मनोरम छटा के बीच स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजित इस परिवार पिकनिक में पूरे दिन मनोरंजक कार्यक्रम हुए । राजेश जैन पांडे ने संगीतमय गीत प्रस्तुत किए ।

सी आई सी बैलेंसिंग जलाशय परियोजना की लोकसुनवाई में हुई अनियमितताएं

अध्यक्ष म.प्र. राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं कलेक्टर पांढुर्ना को नोटिस जारी

छिंदवाड़ा। क्षेत्रीय कार्यालय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, छिन्दवाड़ा द्वारा दिनांक 9.अप्रैल 24 को प्रचलित अखबारों में सर्व संबंधितों को सूचनार्थ लोकसुनवाई के संबंध में आम सूचना प्रकाशित करवाई गई थी कि दिनांक 15 मई 2025 दिन गुरुवार को प्रातः 11 बजे से शासकीय माध्यमिक शाला, ग्राम खड़की तहसील एवं जिला पांढुर्ना (म.प्र.) में सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तावित सी आई सी बैलेंसिंग जलाशय परियोजना कन्हान उप क्षेत्र तहसील एवं जिला पांढुर्ना की पर्यावरण की स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई आयोजित किया जाना है जंहा पर उपस्थित हो कर सुझाव, विचार, टिका-टिप्पणी अथवा आपत्तियां 30 दिवस के भीतर दर्ज कराई जा सकती है गौरतलब है कि विभाग ने इस आम सूचना में यह भी प्रकाशित कराया था कि उक्त प्रस्तावित परियोजना से

संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिंदी व अंग्रेजी में साफ्ट कॉपी सहित संबंधित ग्राम पंचायतों में आमजन के अवलोकन हेतु रखा गया है परंतु वास्तविकता यह है कि किसी भी संबंधित ग्राम पंचायतों में ई.आई.ए. रिपोर्ट उपलब्ध नही थी जिसकी शिकायत सरपंच गणों ने जिला कलेक्टर पांढुर्ना से थी। क्षेत्रीय कार्यालय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा आयोजित लोक सुनवाई में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगो को यह कह कर बोलने से रोका गया कि जिनकी जमीन डूब में जा रही है सिर्फ उसी गांव के लोग ही बोलेंगे अन्य गांव के लोग नही बोल सकते यंहा तक कि डूब क्षेत्र से लगे गांव के लोगो को भी लोकसुनवाई में अपनी बात रखने से वंचित किया गया, अपनी बात रखने आये लोगो को मायूस हो कर लौटना पड़ा एक घण्टा विलम्ब से शुरू हुई लोकसुनवाई लगभग एक - घण्टे में मात्र औपचारिकता बन कर सिमट गई। इस संबंध में समाज सेवी जितेन्द्र सिंह चौहान का कहना पड़ा कि जब केवल डूब क्षेत्र के लोगो को ही लोकसुनवाई में बुलाना था तो गांव में डोंडी पिटवा कर लोकसुनवाई कर लेते राष्ट्रीय अखबारों में आम सूचना क्यो छपवाई गई ।

जगह-जगह खड़ी बसों पर जताई नाराजगी आरटीओ को कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर ने ली समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम कार्यालय, सीएम हाउस, विभिन्न आयोगों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं न्यायालयों से जुड़े लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न समसामयिक एवं अंतर्विभागीय मुद्दों पर भी चर्चा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टरी सिंह ने बैठक में यह बात स्पष्ट की कि जिले में कई स्थानों पर अब भी निजी बसें अव्यवस्थित ढंग से खड़ी की जा रही हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति में नियमित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और संबंधित बस मालिकों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्यवाही हो। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि यदि मीडिया या अन्य माध्यमों से उनके विभाग के संबंध में कोई भ्रामक अथवा गलत जानकारी प्रसारित की जाती है, तो उसका तत्काल खंडन जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि वास्तविक स्थिति स्पष्ट करना अनिवार्य है, ताकि आम जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने अधिकारियों को उनके द्वारा गोद लिए गए स्कूलों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इन स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं, स्वच्छता और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो।कक्षा 6वीं में 100 प्रतिशत प्रवेश नहीं होने पर डीपीसी का वेतन रोका- श्री सिंह ने पूर्व की समीक्षा बैठक में डीपीसी को निर्देशित किया था कि कक्षा 6वीं में 100त्न नामांकन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में डीपीसी द्वारा बताया गया कि अब तक 90त्न ही प्रवेश हो सके हैं, जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक पूर्ण नामांकन नहीं होता, तब तक वेतन नहीं दिया जाएगा।

रेल सुविधाएं बढ़ाने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने केन्द्रीय रेल मंत्री को अति महत्वपूर्ण पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने नागपुर एवं जबलपुर से होकर चलने वाली ट्रेनों को छिन्दवाड़ा होकर संचालित करने की मांग रखी है। नागपुर व जबलपुर होकर गुजरने वाली ट्रेनों को छिन्दवाड़ा होकर संचालित किए जाने की लगातार उठ रही मांगों को दृष्टिगत रखते हुए कमलनाथ जी ने केन्द्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने चार ट्रेनों को छिन्दवाड़ा से होकर संचालित करने की मांग की है। इन सभी एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालित होने से जहां एक ओर छिन्दवाड़ा जंक्शन पर रोजगार व व्यापार के नए अवसर उपलब्ध होंगे साथ ही यात्रियों की सुविधाओं में भी इजाफा होगा। श्री नाथ ने केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में उल्लेख किया कि छिन्दवाड़ा जिले की सेवा करते हुए 45 वर्ष बीत चुके हैं, इसीलिये इस क्षेत्र की आवश्यकताओं व आमजन की आकांक्षाओं से भली भांति परिचित हूं। श्री नाथ ने अपने पत्र में आगे लिखा कि नागपुर-पांढुर्ना-खंडवा श्री दादाजी धूनीवाले धाम (दादा धाम एक्सप्रेस) कोरोना संक्रमण काल से बंद है। जिसके चलते दादा धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अविलम्ब इस ट्रेन को पुन- प्रारंभ किया जावे। नागपुर, इटारसी व जबलपुर होकर चलने वाली एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों को सिवनी होते हुए छिन्दवाड़ा से प्रारंभ कर या फिर वहीं समाप्त किया जा सकता है। ऐसा करने से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में रेल सुविधा का विस्तार होगा साथ ही यात्रियों का सफर भी आसान हो जाएगा। श्री नाथ ने इन ट्रेनों को छिन्दवाड़ा से होकर संचालित किए जाने की ओर भी ध्यानाकार्षण कराया है। जिसमें

(1)ट्रेन क्रमांक 18110- इतवारी-टाटा नगर (टाटा नगर एक्सप्रेस)

(2)ट्रेन क्रमांक 12140- नागपुर-मुंबई (सेवाग्राम एक्सप्रेस)

(3)ट्रेन क्रमांक 15206- जबलपुर-लखनऊ (चित्रकूट एक्सप्रेस)

(4)ट्रेन क्रमांक 20151- रीवा-पुणे (रीवा सुपर फॉस्ट एक्सप्रेस)

इनके अतिरिक्त जबलपुर-सिवनी-छिन्दवाड़ा-नागपुर ट्रेन क्रमांक 59396 को सिवनी-बैतूल पैसेंजर को आमला जंक्शन तक विस्तारित किया जाना यात्रियों के हित में होगा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने जारी पत्र के अंत में अनुरोध पूर्वक कहा कि छिन्दवाड़ा और सिवनी के रास्ते इन सेवाओं का विस्तार व मार्ग परिवर्तन करने से न केवल यहां की आबादी के एक बड़े हिस्से को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र का आर्थिक विकास और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

डबल रेल लाइन हेतु जनप्रतिनिधी मांग करें

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा निश्चित ही रेल्वे कुछ न कुछ कार्रवाई करेगी। नागपुर से चलने वाली रेलें छिंदवाड़ा इसीलिए नहीं चल रही हैं क्योंकि यहां पर रेल कोच की सफाई के लिए पीट लाईन नहीं है पीट लाईन छिंदवाड़ा में होने से कई ट्रेने यहां से चल सकती हैं। नई रेल चलाने हेतु जब कोई मांग होती है तो रेल्वे यह कहकर अपना पिंड छुड़ा लेती है कि यहां पीट लाईन नहीं है इसीलिए पीट लाईन बनवाना चाहिये। इसके अलावा छिंदवाड़ा नागपुर एवं छिंदवाड़ा से नैनपुर तक डबल लाईन होना चाहिये इसके लिए जनप्रतिनिधी प्रयास करें। सौंसर से पांढुर्ना के लिए नई रेल बनने से मुम्बई की दूरी कम होगी। छिंदवाड़ा- सागर रेल लाईन हेतु क्षेत्रीय सांसद भी रेलमंत्री से मिले हैं। छिंदवाड़ा से जब तक डबल रेल लाईन नहीं होती तब तक रेल सुविधाएं अधूरी होगी।

विधि महाविद्यालय में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग का हुआ शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय, काराबोह छिंदवाड़ा में आज विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यू.टी.डी.) का शुभारंभ हुआ। यह शुभारंभ कुलगुरु प्रो. इन्द्र प्रसाद त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के करकमलों से संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना से की गई। इस अवसर पर एसडीएम सुधीर जैन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. युवराज पाटिल, यू.टी.डी. प्रभारी डॉ. जे.के. वाहने, परीक्षा नियंत्रक डॉ. धनाराम, सहायक कुलसचिव दशरथ सिंह गौड़, वैदूर्यमणि तिवारी, अंजली चौहान, डॉ. बी.के. अकोदिया (प्राचार्य, शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा) सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में इस सत्र से बी.ए., बी.एससी., एल.एल.एम., बी.टेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर साइंस) तथा बी.फार्मा जैसे पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों की कक्षाएं शासकीय विधि महाविद्यालय काराबोह परिसर में संचालित होंगी। प्रवेश प्रक्रिया जारी है और बी.फार्मा में प्रवेश केवल तकनीकी शिक्षा संचालनालय के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई कार्य नहीं होता। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे मानव संसाधन को कुशल, सक्षम और सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं, और यदि ईमानदारी व समर्पण से कार्य किया जाए, तो यह शैक्षणिक परिसर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकता है।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

अमर्यादित अस्वस्थ सदन हो तो स्वस्थ सभापति भी सदन नहीं चला सकता

उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनकड़ का अचानक त्यागपत्र क्यों ?

21 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे तक सक्रिय काम करने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप का रात 9 बजे अचानक त्यागपत्र देना ओर स्वास्थ्य कारण दर्शाना कितना उचित लगता है विचार का विषय तो अवश्य है। जगदीप धनकड़ सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रह चुके है अनुशासित जीवन ओर सही बात पर स्थिर रहना उनकी प्रवृत्ति थी पद के अधिकार से समझौता न करना उदार न होना उनकी कमजोरी मानी जाती हैं वे बेबाक और प्रभावी प्रवृत्ति के व्यक्तिव है इसलिए राज्य सभा में कठोर स्वभाव से विपक्ष दुखी था ओर कई बार उनके बयानों से सत्ता पक्ष भी असहज महसूस कर रहा था कॉलेजियम पर इनके बेबाक टिपण्णी ओर जस्टिस यशवंत वर्मा पर न्यायिक उदारता से उनके सा समय पर बयानों से न्यायपालिका खुश नहीं थी। 21 जुलाई के संसद सत्र के प्रथम दिन विपक्ष द्वारा संसद न चलने देना ओर हमेशा सत्र के समय हंगामा करना सभापति को लक्ष्य बनाना जगदीप धनकड़ के व्यक्तिव से मेल नहीं हो रहा था संवैधानिक पदों का अपमान विपक्ष का स्थाई एजेंडा बन जाना संसद के मंच का दुरुपयोग करना समय की बरबादी ओर करोड़ों रूपयों की बरबादी उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को असहनीय था यह कहना भी सही है कि उनको स्वास्थ्य की समस्या थी और है परन्तु सदन में स्वस्थ वातावरण हो तो सभापति के लिए स्वास्थ्य की कोई समस्या नहीं होती है उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने सभापति का पद बहुत बेबाकी ओर प्रभावी तरीके से निभाया है ओर निभा रहे थे लेकिन उनका अचानक त्यागपत्र देना केवल स्वास्थ्य कारण नहीं हो सकता यह चिंतन का विषय है।

भोपाल में पौधरोपण के दौरान स्कूली बच्चे ने श्रृंखला बनाई, पर्यावरण बचाने की अपील की।

12 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट कल से पूरे प्रदेश में शुरू होगी झमाझम

भोपाल। मध्य प्रदेश में सिस्टम कमजोर पड़ने की वजह से पिछले 4 दिन से भारी बारिश का दौर थमा था। मंगलवार से फिर शुरू होगा। मौसम विभाग ने जबलपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं बुधवार से पूरे प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। इससे पहले सोमवार को इंदौर समेत कई जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार जबलपुर, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, देवास और सीहोर। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। बाकी बचे जिलों में भी हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव

मौसम विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अगले चार दिन तक भारी बारिश का दौर रहने वाला है। वहीं, मानसून टर्फ लाइन भी एक्टिव है। दूसरी ओर, 24 जुलाई से बंगाल की खाड़ी में नया लो प्रेशर एरिया (दम दबाव का क्षेत्र) सक्रिय हो रहा है। इसका असर भी प्रदेश में देखने को मिलेगा।

अब तक 20.7 इंच हो चुकी है बारिश

बता दें कि प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में औसत 20.7 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि अब तक 13.2 इंच बारिश होनी थी। इस हिसाब से 7.5 इंच बारिश ज्यादा हो चुकी है, जो 57त्न अधिक है। 3 जिले- निवाड़ी, टीकमगढ़ और श्योपुर में तो कोटा पूरा हो चुका है। इन जिलों में सामान्य से 15त्न तक ज्यादा पानी गिर चुका है। ग्वालियर समेत 5 जिलों भी बेहतर स्थिति में है। यहां 80 से 95त्न तक बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन संभाग सबसे पीछे है। इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, बुरहानपुर और आगर-मालवा में 10 इंच से भी कम पानी गिरा है।

कई जिलों में हुई बारिश

सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम में बदलाव देखने को मिला। इंदौर में तेज बारिश हुई यहां 19 मिमी यानी, पौन इंच बारिश दर्ज की। सिवनी में भी इतनी ही बारिश हुई। उमरिया, बालाघाट के मलाजखंड खजुराहो और मंडला में आधा इंच पानी गिरा। सागर में भी हल्की बारिश हुई। इसी तरह मंडला, अनूपपुर, सिवनी, डिंडौरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, बैतूल, उमरिया, उज्जैन, हरदा, बड़वानी, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, दमोह, शहडोल, श्योपुर, विदिशा, सीहोर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, सिंगरौली आदि जिलों में भी मौसम बदला रहा। 23-24 जुलाई को भी प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट है।

मानव संग्रहालय पर बच्चों के साथ पुलिस द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया

नंदलाल गुप्ता का लंबी बीमारी से निधन

भोपाल। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उद्योगपति, एवं जिया के पूर्व सचिव नंदलाल गुप्ता का लंबी बीमारी के बाद 22 जुलाई को निधन हो गया है। योगेश गोयल ने बताया कि उनकी अंतिम यात्रा आज मंगलवार को दोपहर 3 बजे उनके निज निवास 58 रचना नगर से सुभाष नगर विश्राम घाट के लिए प्रस्थान करेगी। इस दुख की घड़ी में परिवार अपनी शोक संवेदना व्यक्त करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उन्हें श्री चरणों में स्थान दे और परिवार पर जो व्रजपात हुआ है उसे सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भोपाल कलेक्टर के आदेश की धज्जियां उड़ा रहे

ई-रिक्शा चालक प्रतिबंध के पहले ही दिन स्कूली बच्चों को ढोते रहे

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने शहर में ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। जिसका उन्होंने आदेश भी जारी कर दिया है, लेकिन शहर में उनके आदेश का पालन होता नहीं दिख रहा है। कलेक्टर के आदेश अनुसार सोमवार 21 जुलाई से स्कूलों में ई-रिक्शा पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया गया था,

लेकिन पहले दिन ही शहर में आदेश की धज्जियां उड़ती दिखी। ई-रिक्शा चालकों ने अपना काम जारी रखा।भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार का कहना है कि कलेक्टर का आदेश अभी तक उनके पास नहीं पहुंचा है, इसलिए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जबकि भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने में थोड़ा समय लगेगा। ऑर्डर तो सोमवार से लागू किया गया है, लेकिन मामले में बच्चो के अभिवावको का कहना था की बच्चो को स्कूल भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए कुछ दिन का वक्त चाहिए।

2000 ई-रिक्शा स्कूली बच्चों का करते हैं परिवहन

गौरतलब है कि यह निर्णय जिला सड़क सुरक्षा समिति की सिफारिश पर लिया गया, जिसके बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी किया था। बतादें कि शहर में 14 हजार ई-रिक्शा पंजीकृत हैं, जिनमें से करीब 2000 ई-रिक्शा स्कूली बच्चों का परिवहन करते हैं। इनमें से 95त्न का न तो रजिस्ट्रेशन है, न तय रूट या स्टॉप। ड्राइवरों के पास कमर्शियल वाहन का लाइसेंस भी नहीं है। कई बार तो नाबालिग इन्हें चला रहे हैं। ये ट्रैफिक बाधित करने के साथ दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं।

जिला प्रशासन ने तैयार किया नियमों का ड्राफ्ट

शहर में ई-रिक्शा की अव्यवस्था को सुधारने के लिए जिला प्रशासन नियमों का ड्राफ्ट तैयार कर चुका है, जिस पर विचार चल रहा है। इसी दिशा में पहला कदम स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह रोक लगाई गई है। 18 जुलाई को सांसद आलोक शर्मा की मौजूदगी में हुई यातायात समिति की बैठक में यह प्रस्ताव सामने आया था। उसी बैठक में तय किया गया कि ई-रिक्शा संचालन को लेकर नियम बनाए जाएं।

मध्य प्रदेश के इस जिले में खुलने जा रहा फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, क्रूज पर होगी स्वाद की सवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल की पहचान लेक प्रिंसेस क्रूज को अब एक फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में बदला जा रहा है। यह नया रूप न केवल शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि इसे पर्यटन विभाग के तहत डेवलप किया जा रहा है ताकि यहां आने वाले लोग एक खास अनुभव का आनंद उठा सकें।

यह रेस्टोरेंट बोट क्लब पर स्थित झील पर तैरता हुआ होगा, जिससे शहरवासियों और पर्यटकों को एक नया, रोमांचक और डिलीशियस एक्सपीरियंस मिलेगा। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर सकते हैं और इसकी तारीख जल्द तय की जाएगी।

लेक प्रिंसेस का नया अवतार- करीब दो साल पहले, एनवायर्नमेंटल प्रॉब्लम्स के कारण लेक प्रिंसेस क्रूज का संचालन रोक दिया गया था। अब, इसे नए अवतार में तैयार किया जा रहा है। यह फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 50 लोगों के बैठने की व्यवस्था के साथ तैयार किया जाएगा, जो झील के बीच बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने का अवसर प्रदान करेगा। विशेष रूप से, रेस्टोरेंट का खाना सिंह एंड वेव्स थीम पर तैयार किया जाएगा, जो इनडोर और आउटडोर दोनों का अनोखा मिश्रण होगा। स्पेशल मेन्यू खास तौर पर भोपाल के स्वाद और झील के माहौल को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाएगा। यहां के हर व्यंजन का स्वाद जल की लहरों और ताजगी के बीच महसूस किया जा सकेगा।

फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का अनुभव

यह नया फ्लोटिंग रेस्टोरेंट एक यूनिक एक्सपीरियंस प्रोवाइड करेगा। यह रेस्टोरेंट शहरवासियों के लिए न केवल एक स्वादिष्ट भोजन स्थल होगा, बल्कि यह एक आइडियल टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी साबित हो सकता है।

यहां आने वाले लोग झील के शांत वातावरण में बैठकर अपनी पसंदीदा डिश का आनंद ले सकेंगे। इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की विशेषता यह है कि यह उन लोगों के लिए एक रोमांटिक और नेचुरल एनवायरनमेंट प्रोवाइड करेगा, जो एक साथ बैठकर किसी खास पल का आनंद लेना चाहते हैं।

यह रेस्टोरेंट विशेष रूप से रोमांटिक डिनर डेट्स, पारिवारिक समारोहों और दोस्तों के साथ मस्ती करने के लिए आदर्श होगा। ये न केवल स्थानीय लोगों के लिए एक नया अनुभव होगा, बल्कि यह बाहरी पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसे पर्यटन विभाग के तहत प्रमोट किया जाएगा, जिससे भोपाल को एक नया पर्यटन स्थल मिल सकता है।

भोपाल से लखनऊ के लिए अक्टूबर में शुरू होगी वंदे भारत एक्सप्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लखनऊ उत्तर प्रदेश जाने वाले रेल यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलने जा रही है। अक्टूबर माह से भोपाल और लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरु करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक शुरुआत में सिटिंग वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई जाएगी, जिसमें चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास की सुविधा होगी। इसके बाद स्लीपर वर्जन की शुरुआत की जा सकती है।भोपाल से लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलने से एमपी और यूपी की राजधानियों में आना-जाना सरल हो जाएगा। यात्रियों को समय की बचत और बेहतर यात्रा अनुभव मिलेगा। भोपाल और लखनऊ के बीच अभी तक सीमित ट्रेन सेवाएं उपलब्ध हैं। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह अत्याधुनिक सेमी-हाईस्पीड ट्रेन कम समय में लंबी दूरी तय करेगी।

इस रूट में ट्रेनों की संख्या कम

गौरतलब है कि वर्तमान में इस रूट पर चलने वाली गिनी-चुनी ट्रेनें चलती हैं जिनमें अक्सर वेटिंग रहती है, खासकर स्लीपर और एसी श्रेणियों में। ऐसे में वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों के लिए राहत लेकर आएगी। यह ट्रेन विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए फायदेमंद साबित होगी, जो कम समय में अपनी यात्रा पूरी करना चाहते हैं।

सितंबर में होगा ट्रायल रन

भोपाल रेल मंडल के पीआरओ नवल अग्रवाल का कहना है कि ट्रेन चालाने की अभी तक डेट जारी नहीं हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस अक्टूबर में ही शुरू की जाएगी। ट्रेन का रैक सितंबर की शुरुआत में भोपाल पहुंचेगा, जिसके बाद 10 से 15 दिन का ट्रायल रन किया जाएगा। ट्रायल के सफल रहने और रेलवे बोर्ड की अनुमति मिलने के बाद इसका नियमित संचालन शुरू कर दिया जाएगा। संभावित मार्ग में भोपाल, विदिशा, बीना, झांसी और कानपुर सेंट्रल जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल किए जा सकते हैं।

हमीदिया अस्पताल, कॉलेज-स्कूल राष्ट्रभक्तों के नाम से हो, निगम अध्यक्ष बोले- सीएम को पत्र लिखे

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की 24 जुलाई को होने वाली बैठक में नाम बदलने को लेकर दो प्रस्ताव आएंगे। एक पुराने अशोका गार्डन का नाम राम बाग और दूसरा विवेकानंद पार्क के पास के चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करना है। इस बीच राजधानी में अस्पताल, कॉलेज और स्कूल के नाम बदलने को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि इसके लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख चुके हैं। अब व्यक्तिगत रूप से भी मिलूंगा और नाम बदले जाने की मांग करुंगा। नाम बदलने के मुद्दे पर दैनिक भास्कर ने निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी से बात की और जाना कि आखिर उन्होंने यह मांग क्यों उठाई? निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने सीएम को लिखे पत्र में नवाब हमीउल्ला के नाम से भोपाल में संचालित हमीदिया अस्पताल,

कॉलेज और स्कूल का नाम बदलकर राष्ट्रभक्तों के नाम से किए जाने की मांग की। पत्र में लिखा कि निगम को सड़कों और चौराहों के नामकरण करने का अधिकार है। इसलिए सितंबर-23 में हमीदिया रोड का नाम बदलकर गुरुनानक मार्ग कर दिया गया है। चूंकि, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल समेत अन्य संस्थाओं के नाम परिवर्तन करने का अधिकार भोपाल निगम को नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन्हें बदलें।

पाकिस्तान जाना चाहते थे हमीउल्ला-सूर्यवंशी- निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बताया कि नवाब हमीउल्ला भारत भक्त नहीं बल्कि पाकिस्तान परस्त थे। वे भोपाल रियासत को पाकिस्तान में शामिल कराना चाहते हैं। नवाब हमीउल्ला ने तिरंगा फरहाने वाले पोस्ट मास्टर को गिरफ्तार कराया था। वह पाकिस्तान जाकर वहां के वजीर बनना चाहते थे। साथ ही विलिनिकरण आंदोलन करने वाले देशभक्तों पर गोलियां चलवाई थी। इसमें छह लोग शहीद हुए थे। यह इतिहास, तथ्य और प्रमाण तीनों ही है। इससे स्पष्ट होता है कि नवाब की निष्ठा भारत से अधिक पाकिस्तान से थी। इसलिए मेरा मानना है कि हमीउल्ला के नाम से हमीदिया हॉस्पिटल, कॉलेज और स्कूल नहीं होना चाहिए। इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पत्र लिखे हैं। इस संबंध में उनसे व्यक्तिगत भी मिलूंगा। मुझे पूरा भरोसा है कि इस पर जल्द निर्णय हो जाएगा।

प्रदेश की पहली तेजस इंदौर-मुंबई के बीच कल से चलेगी 3 कैटेगरी में 1805 से लेकर 3800 रुपए के टिकट

इंदौर। मध्य प्रदेश की पहली तेजस सुपरफास्ट ट्रेन 23 जुलाई को मुंबई से शुरू होगी। जबकि इंदौर से 24 जुलाई को रवाना होगी। ट्रेन सप्ताह में 3 दिन चलेगी। आईआरसीटीसी ने 21 जुलाई से बुकिंग शुरू कर दी है। किराया तीन कैटेगरी में है। पहली कैटेगरी एसी 3 टीयर है। जिसका किराया 1 हजार 805 रुपए है। इसमें 1 हजार 634 रुपए बेस फेयर, 40 रुपए रिजर्वेशन चार्ज, 45 रुपए सुपर फास्ट चार्ज और 86 रुपए जीएसटी शामिल है। दूसरी कैटेगरी एसी टू टीयर का किराया 2 हजार 430 रुपए है। इसमें 2 हजार 219 रुपए बेस फेयर, 50 रुपए रिजर्वेशन चार्ज, 45 रुपए सुपर फास्ट चार्ज और 116 रुपए जीएसटी शामिल है। तीसरी कैटेगरी एसी फर्स्ट क्लास है। जिसका किराया 3 हजार 800 रुपए है। इसमें 3 हजार 484 रुपए बेस फेयर, 60 रुपए रिजर्वेशन चार्ज, 75 रुपए सुपर फास्ट चार्ज और 181 रुपए जीएसटी शामिल है।

दुरंतो और अवंतिका से ज्यादा है किराया- इंदौर-मुंबई के बीच चलने वाली तेजस स्पेशल का किराया इसी मार्ग पर चल रही दुरंतो एक्सप्रेस और अवंतिका एक्सप्रेस से अधिक है। इंदौर-दुरंतो में फिलहाल सेकंड सीटिंग का किराया 460 रुपए, एसी इकोनॉमी का 2070 रुपए, थर्ड एसी का 2205 रुपए, सेकेंड एसी का 2975 रुपए और फर्स्ट एसी का किराया 3670 रुपए है। अवंतिका एक्सप्रेस में स्लीपर का किराया 465 रुपए, एसी इकोनॉमी का 1130 रुपए, थर्ड एसी का 1220 रुपए, सेकेंड एसी का 1715 रुपए और फर्स्ट एसी का किराया 2870 रुपए है। तेजस स्पेशल ट्रेन के किराए निर्धारण का अधिकार आईआरसीटीसी को होगा, जो आवश्यकता अनुसार किराया बढ़ा सकती है।

तेजस के देरी पर चलने पर नहीं मिलेगा रिफंड- रेलवे सूत्रों की मानें तो इंदौर-मुंबई-इंदौर के बीच चलने वाली तेजस अगर देरी से चलेगी तो किसी भी प्रकार कर रिफंड नहीं दिया जाएगा। यह सुविधा आईआरसीटीसी ने बंद कर दी है। पहले ट्रेन के 1 घंटे से अधिक लेट होने पर 100 रुपए और 2 घंटे से अधिक लेट होने पर 250 रुपए का रिफंड मिलता था, लेकिन दिसंबर 2024 के बाद से इस सुविधा को बंद कर दिया है।

तेजस का किराया और समय ज्यादा

इंदौर-मुंबई तेजस का किराया और समय दोनों ही इंदौर से मुंबई के लिए चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस और अवंतिका एक्सप्रेस के मुकाबले ज्यादा है। तेजस ट्रेन इंदौर से मुंबई का सफर पूरा करने में दूरंतो से 3 घंटे और अवंतिका से 1 घंटे ज्यादा लेगी। इंदौर से सप्ताह में दो दिन चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस (12228) इंदौर से रात को 9 बजे निकलकर दूसरे दिन सुबह 8.20 बजे मुंबई पहुंचती है। यानी इस दौरान यह ट्रेन पूरे 11 घंटे 20 मिनट का समय लेती है। सप्ताह में सातों दिन चलने वाली अवंतिका एक्सप्रेस (12962) शाम को 5.40 बजे इंदौर से निकलकर दूसरे दिन सुबह 6.40 बजे मुंबई पहुंचती है। यानी इस दौरान यह पूरे 13 घंटे का सफर तय करती है। इसी तरह तेजस एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 09086 इंदौर से शाम 5 बजे रवाना होगी और दूसरे दिन सुबह 7.10 बजे मुंबई पहुंचेगी। यानी इस दौरान यह ट्रेन पूरे 14 घंटे 10 मिनट का समय लेगी।